Tni आवाज़

राजस्थान की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com | आपकी आवाज के साथ.... | RAJHIN/2012/43137

हिन्दुस्तान पत्रिका
HINDUSTAN KI AWAZ

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, शनिवार 13 अप्रैल, 2024 | » वर्षः 2 » अंकः 168 » पृष्ठः 8 » मूल्यः 2.00 रू.

70 साल तक माताओं-बहनों की किसी ने नहीं सुनीः पीएम मोदी

बाड़मेर

राजस्थान में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाड़मेर दौरे पर हैं। यहां वो जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। यहां दूसरे चरण में लोकसभा चुनाव होने जा रहा है। बाड़मेर-जैसलमेर सीट पर बीजेपी के कैलाश चौधरी चुनाव लड़ रहे हैं। उनके समर्थन में सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने जल जीवन मिशन, एयरपोर्ट और रिफाइनरी पर कांग्रेस को जमकर घेरा है। पीएम मोदी ने कहा कि पानी की कीमत बाड़मेर जैसलमेर से ज्यादा कौन जान सकता है। यहां के लोक कहते हैं कि घी ढूले तो म्हारो कुछ नहीं गियो, पानी ढूले तो म्हारो सब कुछ गियो। यह राजस्थान बात बोलकर पीएम मोदी ने बताया कि यहां के लोगों के लिए पानी घी से भी मूल्यवान है। उन्होंने कहा कि घर घर पानी पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन शुरू किया लेकिन कांग्रेस ने उसमें भी जमकर भ्रष्टाचार किया। ईआरसीपी प्रोजेक्ट को रोकने के लिए कांग्रेस ने पांच साल तक अटकलें लगाई। प्रदेश में भजनलाल शर्मा की सरकार बनते ही 100 दिन में ईआरसीपी को मंजूरी मिल गई।

सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास नहीं करना चाहती कांग्रेस

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सोच ही विकास विरोधी है। वे लोग देश के सीमावर्ती गांव को आखिरी गांव कहते हैं। हमारे लिए ये गांव देश के पहले गांव हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस यह सोचती थी कि सीमावर्ती गांवों में सड़क बनाएंगे और विकास के कार्य करेंगे तो दुश्मन देश आकर कब्जा कर लेंगे। कांग्रेस की इस सोच को पीएम मोदी ने शर्मनाक सोच बताया। उन्होंने आक्रोश दिखाते हुए कहा कि दुश्मन के कलेजे में इतनी हिम्मत नहीं जो बाड़मेर की सीमा में घुसकर कब्जा करने की सोचे।

रिफाइनरी में कांग्रेस ने अटकाए रोड़े

पीएम मोदी ने कहा कि बाड़मेर की रिफाइनरी में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने खूब रोड़े अटकाए। अगर पिछले पांच साल तक कांग्रेस रोडे नहीं अटकाती तो रिफाइनरी का उद्घाटन वे अपने दूसरे कार्यकाल में ही कर देते। उन्होंने कहा कि मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में रिफायनरी का उद्घाटन करने आएगा और उसी दिन बाड़मेर वालों को यह लोकसभा सीट पर बीजेपी को जीताने पर धन्यवाद भी देगा। पीएम मोदी ने कहा कि बाड़मेर में बनने वाले एयरपोर्ट का कार्य में भी कांग्रेस ने बड़ी रुकावटें डाली।

बाबा साहेब खुद आ जाएं तो भी संविधान नहीं बदल सकते

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उनके सहयोगी दल संविधान की आड़ लेकर झूठ बोल रहे है। जिस कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर संविधान को खत्म करने की कोशिश की। वे लोग संविधान के नाम पर झूठ की आड़ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तो बाबा साहेब खुद आ जाएं तो भी संविधान खत्म नहीं हो सकता। हमारा संविधान सरकार के लिए गीता, कुरान, बाइबिल, महाभारत और कुरान है। संविधान हमारे लिए सबकुछ है। इसे कोई खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जिस कांग्रेस ने संविधान बनाने वाले बाबा साहेब को भारत रत्न नहीं दिया और उन्हें चुनाव में भी हराने का काम किया। वह कांग्रेस आज संविधान की बात कर रही है।

देश को शक्तिहीन करना चाहता है इंडिया गठबंधन

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस और उसके गठबंधन के सहयोगी दल भारत को शक्तिहीन करना चाहते हैं। कांग्रेस का एक सहयोगी दल तो यह कहता है कि हमारी परमाणु ताकत को समाप्त करना चाहता है। उन्होंने पूछा कि देश के दोनों दिशाओं के देशों के पास परमाणु हथियार है तो क्या भारत के पास हथियार नहीं होने चाहिए। पीएम मोदी ने लोगों से आह्वान किया कि कमल के चुनाव चिन्ह पर वोट देकर देश को शक्तिहीन करने की सोच रखने वालों को सजा दें। इस गठबंधन से देश को सावधान रहने की जरूरत है।

कांग्रेस पर जमकर बरसे मोदी

कांग्रेस भारत को भाषा, प्रांत और जातपात में तोड़ना चाहती है। इसलिए इस चुनाव में आपको कांग्रेस को सबक सिखाना है। वह हर उस ताकत के साथ खड़ी हो जाती है, जो देश विरोधी होती है। हम राजस्थान में शक्ति की उपासना करते हैं, लेकिन कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि वह हिंदू धर्म की शक्ति का विनाश कर देंगे। देश में कांग्रेस राम मंदिन का विरोध करती है और कांग्रेस राज में रामनवमी की शोभायात्रा पर पत्थर चलते हैं। मैं जब यहां रिफाइनरी के उद्घाटन के लिए आऊंगा, तब आपको बताऊंगा कि इसका महत्व क्या है। भाजपा ने बाड़मेर से कमल की जिम्मेदारी भाई कैलाश चौधरी को दी है। इसलिए आपको मोदी की गारंटी पर भरोसा करते हुए कमल पर बटन दबाने की प्रार्थना करने आया हूं। इसलिए मैं यहां आशीर्वाद लेने आया हूं। चाहे जितनी गर्मी हो 26 अप्रैल को सुबह-सुबह ही कमल का फूल खिलना चाहिए।

गुजरात को लेकर पीएम मोदी बोले...

गुजरात की जनता ने जब मुझे जिम्मेदारी सौंपी तो कच्छ की हालत भी ऐसी ही थी। आज पूरे हिंदुस्तान में सबसे तेज विकास करने वाले जिलों में कच्छ का जिला पहुंच गया है। मुंबई में जमीन की जो कीमत होती है, वह कच्छ की हो गई है। मैं यह करके आया हूं, इसलिए गारंटी देता हूं यह भी मैं करके रहूंगा। यहां के एयरपोर्ट में भी पिछली कांग्रेस सरकार ने जमकर रोडे अटकाए थे। नहीं तो यह दो साल पहले ही चालू हो गया होता। कांग्रेस ने जिन्हें दशकों तक नहीं पूछा, मोदी उन्हें पूजता है।

-शेष खबर पेज 2 पर

कोई कांग्रेस का प्रचार करता मिला तो एक्शन होगाः शिक्षा मंत्री मदन दिलावर

जयपुर।

राजस्थान के शिक्षामंत्री मदन दिलावर काफी तेज तर्रार नेता हैं। चाहे बात शिक्षा में सुधार करने की हो या फिर पार्टी के प्रचार की, वो हमेशा एक्टिव रहते हैं। अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले दिलावर ने भाजपा कार्यकर्ताओं को चेतावनी दे डाली है। दिलावर ने कहा कि यिद कोई भी भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस का प्रचार करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में बीजेपी पार्टी और स्वयं मंत्री मदन दिलावर से उसका कोई संबंध नहीं रहेगा। दरअसल, बीत दिनों कांग्रेस का प्रचार करने वालों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है। मंत्री दिलावर ने भाजपा जिलाध्यक्ष से अनुरोध किया है कि पार्टी का विरोध करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करे। रामंगजमंडी के लोगों से अपील की वो विरोधियों द्वारा फैलाए जा रहे किसी भी झूठ और भ्रामक प्रचार पर ध्यान ना दें। मंत्री दिलावर अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। हाल ही में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा के साथ काफी जुबानी जंग हुई थी। उन्होंने कहा था कि अशोक गहलोत और गोविंद सिंह डोटासरा जल्द ही जेल में चक्की पीसते नजर आएंगे। दोनों नेताओं को जेल होगी। हालांकि, डोटासरा ने भी दिलावर के इस बयान का करारा जवाब दिया था।

सीएम भजनलाल शर्मा अचानक सेंट्रल पार्क पहुंचे, लोगों की समस्याएं सुनी

लोगों की समस्याएं सुनी, बोले- बड़ी ही नहीं, छोटी परेशानियों का भी समाधान होगा

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुरु वार सुबह करीब 6.30 बजे जयपुर के सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक पर निकले। यहां जय श्री राम और अबकी बार 400 पार के नारों के साथ उन्होंने मॉर्निंग वॉक की। करीब 45 मिनट तक सीएम सेंट्रल पार्क में रहे। लोगों की छोटी-छोटी समस्याओं के बारे में जाना। इसके बाद सीएम ने बीजेपी कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ चाय पर चर्चा भी की।

सेंट्रल पार्क में लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अपनी समस्याएं बताई। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समस्याओं के समाधान का वादा किया। मॉर्निंग वॉक के बाद मुख्यमंत्री ने सेंट्रल पार्क स्थित मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी समेत बड़ी संख्या में बीजेपी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम बोले- छोटी समस्याओं को ठीक करना जरूरी

इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- हर व्यक्ति की समस्या, वह भले ही हमें छोटी लगती हो। समस्या तो समस्या होती है। अगर छोटी समस्या का समाधान होता है। उसका सुकून बहुत अच्छा मिलता है। इसलिए जनता के माध्यम से मुझ तक जो भी समस्या आई है। उनका जल्द से जल्द समाधान होगा। बड़ी समस्याएं तो रहती ही हैं। छोटी समस्याएं भी इंसान को 24 घंटे दर्द देती है। अगर हमने वह दर्द ठीक कर दिया। उसके मन में बहुत सुकून रहेगा।

पहले भी लोगों के बीच पहुंच चुके सीएम

बता दें कि इससे पहले भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जवाहर सर्किल और मानसरोवर पार्क में आम लोगों के साथ मॉर्निंग वॉक कर चुके है। वह आम आदमी की तरह चाय की थड़ी और जूस की दुकान पर पहुंचकर आम लोगों से चर्चा भी कर चुके हैं।

दरअसल, लोकसभा चुनाव में आम जनता को लुभाने के लिए राजनेता कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। यही कारण है कि घर-घर चुनाव प्रचार के साथ ही अब राजनेता मॉर्निंग वॉक के दौरान भी आम लोगों से मिलकर वोट की अपील कर रहे हैं। जयपुर में सेंट्रल पार्क समेत अन्य सभी बड़े पार्क में प्रमुख राजनीतिक दल के नेता इन दिनों इसी तरह मॉर्निंग वॉक कर वोट की अपील करते हुए नजर आ रहे हैं। इनमें बीजेपी की उम्मीदवार मंजू शर्मा और कांग्रेस के उम्मीदवार प्रताप सिंह भी शामिल है।

महेंद्र सिंह धोनी के पूर्व बिजनेस पार्टनर गिरफ्तारः जयपुर पुलिस ने नोएडा से पकड़ा, क्रिकेट एकेडमी खुलवाने का दिया था झांसा

जयपुर।

भारतीय रि केट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पूर्व बिजनेस पार्टनर मिहिर दिवाकर को जयपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी मिहिर ने रि केट एकेडमी की फेंचाइजी देने का झांसा देकर जयपुर में एक युवक से 12 लाख रुपए ऐंठ लिए थे। मामले की जांच करते हुए जयपुर की करणी विहार थाना पुलिस ने मिहिर को नोएडा से पकड़ा है। पुलिस ने गुरुवार दोपहर आरोपी को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है।

स्ह रामपाल ने बताया- धोखाधड़ी के मामले में आरोपी मिहिर दिवाकर (41) पुत्र राघव सिंह को गिरफ्तार किया है। जो सेक?टर-119 नोएडा उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। मिहिर दिवाकर भारतीय रि केट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का बिजनेस पार्टनर रह चुका है। 15 अगस्त 2021 को महेन्द्र सिंह धोनी ने मिहिर दिवाकर और सौम्या दास की कंपनी अरका स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड से कॉन्टैक्ट खत्म कर लिया था।

क्या है मामला

दरअसल, 4 मार्च 2023 को करणी विहार थाने में गंगा सागर स्कीम सिरसी रोड के रहने वाले जयदेव रोज ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था। शिकायत में बताया अरका स्पोर्टस मेनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मिहिर दिवाकर, उनकी पत्नी सौम्या दास, कंपनी के अधिकारी रोहित जग्गी और अजय बोहरा ने उनके साथ धोखाधड़ी कर 12 लाख रुपए हड़प लिए है।

आरोपियों ने रि केटर महेंद्र सिंह धोनी के नाम से एकेडमी के लिए फेंचाइजी देने का झांसा देकर रुपए ऐंठ लिए। आरोपियों ने ना तो एकेडमी खुलवाई, ना रुपए वापस लौटाए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी मिहिर दिवाकर को नोएडा से दबिश देकर पकड़ा है।

डोटासरा बोले- मोदी बड़े नेताओं को निपटाने में लगे, कहा- बाबा बालकनाथ को एमएलए बनाकर छोड़ दिया

अलवर

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आज अलवर के मालाखेड़ा में कांग्रेस प्रत्याशी ललित यादव के समर्थन में जनसभा की। डोटासरा अपने भाषण में पीएम मोदी से लेकर सीएम भजनलाल, वसुंधरा राजे और बाबा बालकनाथ पर जमकर व्यंग्य किया। पर्ची सरकार पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद सीएम भजनलाल की कुर्सी तो जाने वाली है। जनसभा को संबोधित करते हुए डोटासरा ने कहा कि मोदी बड़े नेता को निपटाने में लगे हैं। अलवर के सांसद रहे बाबा बालकनाथ को एमएलए बनाकर छोड़ दिया। आगे एमएलए लायक भी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी जैसे बड़े नेता का मोरियो बुला देना। डोटासरा बोले- देखिए पर्ची सरकार कैसे बनी। सब विधायकों को बुला लिया। दिल्ली से राजनाथ सिंह आए। वसुंधरा राजे को पर्ची दी। वसुंधरा राजे ने पर्ची देखी और हवाई उड़ गई। राजनाथ सिंह की तरफ देखा भी नहीं। एक ने भी ताली नहीं बजाई। तब राजनाथ ने कहा कि कोई और नाम थोड़े ही आएगा। ताली तो बजा दो। डोटासरा ने कहा कि बाइक और स्कूटर वाले को हेलीकॉप्टर दे दिया। अब

मुख्यमंत्री घूम-घूमकर तीन काम करते हैं। हर जगह जाकर कहते हैं ईआरसीपी लागू कर दी। इधर, आठवीं व दसवीं का पेपर आउट होने लग गया। ईआरसीपी का एमओयू सीएम के पास नहीं है। न ही किसी को दिखाया है। वो झूठ बोल रहा है। इस ईआरसीपी से 13 जिलों को पानी नहीं मिलने वाला है। ये झूठे आश्वासन देने में लगे हैं। मेरा कहना है कि क्रिकेट में अधिकतम छक्का ही होता है लेकिन नेतागिरी में झूठ का अड्डा मारने में लगे हैं। डोटासरा यही नहीं रूके। आगे बोले- सीएम कहते हैं गैंगस्टर फॉर्स बना दी। अरे भाई गैंगस्टर फॉर्स नहीं होती हैं।

कांग्रेस को बड़ा झटका, 400 पदाधिकारियों ने छोड़ा पार्टी का साथ

नागौर

नागौर में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कुचेरा नगरपालिका अध्यक्ष व विधानसभा चुनाव में खींवसर से कांग्रेस प्रत्याशी रहे तेजपाल मिर्धा का पार्टी से निष्कासन करना कांग्रेस पर ही भारी पड़ रहा है। नागौर के खींवसर इलाके से कांग्रेस से जुड़े 400 से अधिक कांग्रेसियों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। ये सभी लोग शुक्रवार को नागौर में एक जगह जमा हुए। सभा की और प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस्तीफा दे दिया। तेजपाल मिर्धा ने बताया कि ये सभी इस्तीफे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को भेजे जा रहे हैं। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल की शिकायत पर 8 अप्रैल को तेजपाल मिर्धा समेत 3 लोगों को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

इन पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा

आज कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने वालों वालों यूथ कांग्रेस अध्यक्ष, कुचेरा नगरपालिका के कांग्रेसी पार्षद, खींवसर के कांग्रेसी पंचायत समिति सदस्य,

पूर्व पार्षद, जिले, ब्लॉक और मंडल कार्यकारिणी के अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष, सहसचिव और प्रवक्ता समेत अनेक पदाधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा बैराथल, आकला, महेशपुरा, ढिंगसरा, नंदवाणी, गोडन, चावंडिया, भेड़, बैराथल, गुढा भगवानदास, खड़कली, गालनी, चरणीसरा, आंदोलाव, भूंदेल, नैनाउ, दूजासर, डेउ, दांतिणा, टांटवास, भोजास, झाड़ेली, सोन नगर, अखासर, करणू, भडोरा, माणकपुर, भावंडा, लालावास, लालाप समेत विभिन्न गांवों के मंडल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। भाजपा में जाने के सवाल पर तेजपाल मिर्धा ने कहा- भाजपा बाहें पसारकर स्वागत करने को आतुर है। क्योंकि यहां कांग्रेस से इस्तीफा देने वालों में पूरा एक नगरपालिका बोर्ड शामिल है। कांग्रेस से इस्तीफा देने वालों का सिलसिला अभी आगे भी चलेगा।

तेजपाल बोले- हनुमान बेनीवाल नागौर में कांग्रेस को खत्म करने वाला एक टूल

कांग्रेस से निष्कासित नेता तेजपाल मिर्धा ने कहा- हनुमान बेनीवाल एक टूल है, जो पूरे नागौर में कांग्रेस पार्टी को खत्म करने में लगे हैं। ऐसे व्यक्ति के साथ गठबंधन करने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गहरा आघात लगा है। इसलिए हम सभी कांग्रेस से सामूहिक त्याग पत्र दे रहे हैं। तेजपाल? मिर्धा ने कहा- कांग्रेस आलाकमान ने स्थानीय कांग्रेसी संगठन की मर्जी के बिना रालोपा से गठबंधन किया। ये गठबंधन कांग्रेसियों पर थोपा गया है। रालोपा ने तो पूरे जिले में कांग्रेस को हराने का काम किया था। हमने कभी भाजपा के साथ मंच साझा नहीं किया। फिर भी बेनीवाल ने हमें पार्टी से निकलवा दिया। क्योंकि वो नहीं चाहते कि उनका मुकाबला कांग्रेस से हो। कांग्रेस पार्टी ने बिना किसी सूचना या कारण बताओ नोटिस के सीधे तुगलकी फरमान जारी कर मेरा निष्कासन कर दिया। तेजपाल? मिर्धा ने कहा- अब राजस्थान में इंदिरा गांधी वाली कांग्रेस नहीं बची। यहां एक व्यक्ति अपने हिसाब से पार्टी चला रहा है। कांग्रेस आलाकमान तक ये संदेश पहुंचना जरूरी है कि राजस्थान में कांग्रेस ही कांग्रेस को खत्म कर रही है।

बेनीवाल ने कहा था- गठबंधन तरबूज का ढेर

बता दें कि नागौर लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल ने अपनी सहयोगी पार्टी कांग्रेस पर करारा तंज कसा था। उन्होंने जायल (नागौर) के गौराऊ गांव में रविवार रात आयोजित सभा में गठबंधन को तरबूज का ढेर बताया था। यह भी कहा था कि मैंने हाथ जोड़कर कहा था कि मुझे चुनाव में मत उतारो। गठबंधन की एक पार्टी के 5 लोग खड़े होते हैं, 6 वापस बैठ जाते हैं। गठबंधन तो तरबूज के ढेर जैसा होता है। सबका एक साथ ढेर लगाया ही नहीं जा सकता। कहा था कि मैं कांग्रेस जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन गेसावत और कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को बार-बार कह रहा हूं कि यहां (नागौर में) इस समय कांग्रेस के 5-7 लोग ऐसे हैं, जो कांग्रेस का दुपट्टा पहनकर भाजपा का प्रचार कर रहे हैं। ऐसे लोगों को बाहर निकालो। इस पर पार्टी ने सोमवार रात भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा के रिश्ते में लगने वाले भाई तेजपाल मिर्धा समेत 3 नेताओं को पार्टी से निकाल दिया था।

कांग्रेस के एक नेता ने स्वार्थ के लिए किया रालोपा से गठबंधन

तेजपाल? मिर्धा ने आरोप लगाया- कांग्रेस के एक नेता ने अपने निजी स्वार्थ की पूर्ति के लिए नागौर में रालोपा से गठबंधन करवाया है। ताकि उन्हें कहीं और वोट मिल जाएं। मनीष मिर्धा नागौर की राजनीति को नहीं जानते हैं। मनीष परिवार के जमीनी विवाद को राजनीतिक मंच पर ले गए, ये ठीक नहीं है। लोकसभा चुनावों को लेकर तेजपाल मिर्धा ने कहा- वे इस चुनाव तक निर्दलीय रहेंगे। तेजपाल मिर्धा के समर्थन में इस्तीफा देने वालों से उन्होंने कहा- रालोपा को हराना है, इसके लिए चाहे नोटा का बटन दबाएं। कांग्रेस के निष्ठावान लोगों का पार्टी का निष्कासन करना कांग्रेस पार्टी को जड़ से खत्म करने का तरीका है।

बसोली में स्थित श्री मां ब्रह्माणी मोघनिया माता मंदिर में नवरात्र के चलते दिन भर लगा रहा श्रद्धालुओं का तांता

राजस्थान की राजनीति

दबलाना/सुरेंद्र गौतम। हिंडोली क्षेत्र के बसोली में स्थित मां ब्रह्माणी मोघनिया माता मंदिर में नवरात्र की चतुर्थी तिथि पर शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ लिया। नवरात्र के चलते दिन भर मंदिर पर श्रद्धालुओं की आवाज ही बनी रही। बसोली में मेज नदी किनारे की पहाड़ी पर स्थित मोघनिया माता मंदिर के पुजारी छोटू लाल शर्मा ने बताया कि चौथ तिथि के चलते अलसुबह माता जी की प्रतिमा को पंचामृत, गंगाजल व शुद्ध जल से स्नान करा कर के पंडित के वैदिक मंत्रों से पूजन के साथ ही आकर्षक श्रंगार कर मंगला आरती की। दिन भर आने वाले श्रद्धालुओं ने अपने स्तर पर पुष्पमाला प्रसाद आदि चढ़ा दर्शन कर सुख समृद्धि की मंगल कामना की। श्रद्धालु केशव शर्मा ,खुशी शर्मा, मयंक गौतम, विवेक गौतम,आशा शर्मा, सुनिता शर्मा आदि ने दर्शन लाभ लेकर सुख समृद्धि की मंगल कामना की। उधर भवानीपुरा की केथूला माता के मंदिर में पहुंच करके श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ लिया । दबलाना की श्री लालबाई माताजी के चोला चढ़ा कर श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा अर्चना करके सामूहिक आरती की। भोग लगा करके प्रसाद वितरण किया गया।

मोदी के रोड शो में जेब तरासते दो युवकों को भीड़ ने पकड़कर सौंपा पुलिस को

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान जेब कतरों ने करीब आधा दर्जन कार्यकर्ताओं की जेब पर हाथ साफ किया । देवली से रोड शो देखने आए भाजपा कार्यकर्ता मनोज शर्मा का जेबकतरों ने जेब से आईफोन निकाल लिया, दौसा शहर के अयोध्या नगर निवासी लक्ष्मी नारायण वर्मा , सिकराय के आमटेड़ा निवासी सहित तीन लोगों ने कोतवाली थाने पहुंचकर पुलिस को जेबकतरों के खिलाफ परिवाद दिया । कोतवाली पुलिस मोदी के रोड शो के दौरान जेब तरासते दो युवकों को हिरासत में लेकर अन्य जेबकतरों के बारे में पूछताछ कर रही है ।

राजकीय महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता हेतु हुआ विचार गोष्ठी का आयोजन

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। राजकीय महाविद्यालय नांगल राजावतान में मतदान करना मतदाता की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.राजेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि प्रत्येक नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है, जिसका वोटर लिस्ट में नाम आ चुका है, उसे मतदान देने का अधिकार है। प्रत्येक नागरिक को बिना किसी प्रलोभन में आए अपनी समझदारी और सूझबूझ के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। मतदाता राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझकर मतदान अवश्य करें। मतदान करना मतदाता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने बताया कि मतदान के बिना लोकतंत्र में अपनी सहभागिता संभव नहीं है। इसलिए सही जन प्रतिनिधि का चुनाव करने के लिए मतदान में सहभागिता जरूरी है। यह लोकतंत्र का बहुत बड़ा उत्सव है जिसमें हम हमारी हिस्सेदारी आवश्यक रूप से निभाएं । छात्र-छात्राओं को भी अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा। इस अवसर पर डॉ.रतन सिंह चारण, डॉ. घनश्याम मीणा, राजेंद्र कुमार मीणा, मक्खन लाल मीणा एवं विनोद जांगिड़ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को मतदान की शपथ दिलाई गई।

लोकसभा आम चुनाव -2024

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले तक टेलीविजन या अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा

भारत निर्वाचन आयोग ने मीडिया कवरेज के लिए जारी किये दिशा-निर्देश, प्रावधानों के उल्लंघन पर हो सकती है 2 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम चुनाव-2024 के लिये मीडिया कवरेज के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। आयोग ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के अनुसार टेलीविजन, सिनेमैटोग्राफ या इसी तरह के अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले (विज्ञापन या प्रचार आदि) का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के समक्ष प्रर्दशित नहीं करेगा। इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। आयोग के अनुसार चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या ?से इरादे या गणना करने जैसा कोई भी प्रयास चुनावी मामला माना जायेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने बताया कि टीवी चैनलों में पैनल चर्चा/बहस और अन्य समाचार और समसामयिक कार्यक्रमों के प्रसारण में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप लगते हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आयोग ने स्पष्ट किया है कि टीवी/रेडियो चैनलों और केबल नेटवर्क को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धारा 126 में उल्लेखित 48 घंटों की अवधि के दौरान उनके द्वारा प्रसारित/प्रर्दशित कार्यक्रमों के कंटेन्ट में दृश्य सहित ऐसी।

मोदी ने दौसा में किया रोड शो

जिलाध्यक्ष को बुलाकर जीप में अपने साथ खड़ा किया, किरोड़ीलाल ने दिया फ्लाइंग किस

प्रधानमंत्री की एक झलक देखने को उमड़ी भीड़, चप्पे-चप्पे पर नजर आये सुरक्षाकर्मी

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को राजस्थान के दौसा में पहला रोड शो किया। लोगों ने पीएम पर फूल बरसाए तो मोदी ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया। मोदी के साथ ओपन जीप में सवार राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने फ्लाइंग किस दिया। रोड शो के दौरान पीएम ने भीड़ में मौजूद भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल शर्मा को बुलाया और जीप में साथ खड़ा किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री की एक झलक देखने के लिए दौसा शहर की सड़कों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। शाम को करीब 4:45 पर प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर दौसा हेलीपैड पर उतरा हेलीपैड से प्रधानमंत्री के गाड़ियों का काफिला सुरक्षा घेरे में भांकरी रोड़, कलेक्ट्रेट चौराहा, सोमनाथ सर्कल होते हुए गांधी तिराहे पहुंचा। इससे पहले शुक्रवार शाम 5.12 बजे मोदी ने दौसा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा के समर्थन में दौसा शहर में रोड शो शुरू किया था। शाम 6.02 बजे मोदी का रोड शो पूरा हुआ था। रोड शो गांधी तिराहे से शुरू हुआ और गुप्तेश्वर सर्किल पर खत्म हुआ। मोदी ने 50 मिनट तक करीब सवा किमी तक लोगों का अभिवादन स्वीकारा। इससे पहले पीएम ने बाड़मेर में सभा को संबोधित किया था। पीएम मोदी के गांधी तिराहे पर पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी, भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा सहित कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोडी लाल मीणा खुली गाड़ी में सवार होकर रोड़ शो किया । प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए बैरिकेट्स के बाहर खड़ी भीड़ ने जय श्री राम और मोदी मोदी के नारे लगाए इस दौरान मोदी ने भीड़ का हाथ लाकर अभिवादन स्वीकार किया । मोदी के रोड शो के दौरान करीब आधा दर्जन जगह कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी । दौसा के हृदय स्थल से शुरू हुआ रोड शो गुप्तेश्वर दरवाजे पर पहुंच कर पूरा हुआ और वहां से मोदी ब्लैक बुलेट प्रूफ कार में सवार होकर पायलट स्टेडियम पहुंचे स्टेडियम में खड़े हेलीकॉप्टर से मोदी आगे के कार्यकर्मों के लिए रवाना हुए । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा के लिए करीब आधा आईपीएस, सहित सैकड़ों इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, दर्जनों एसपीजी, एनएसजी के कमांडो सहित करीब 4 हजार पुलिसकर्मी तैनात रहे। इस तेरह सौ मीटर के रोड शो में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा रोड के किनारे बने मकान और

प्रतिष्ठानों की छतों पर भी खड़े रहकर पुलिस ने पैनी नजर रखी ।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो को लेकर सुरक्षा की कमान संभाले एसपीजी, एनएसजी, एडीजी, आईजी, सहित दर्जनों पुलिस अधिकारियों ने सोमनाथ सर्कल से लेकर स्टेडियम तक पूरे रोड को सील कर दिया जिससे कि लोगों को आवागमन में समस्या आई । मोदी के हेलीकॉप्टर को दौसा हेलीपैड पर उतरने से करीब आधा घंटा पहले ही नेशनल हाईवे को बंद कर दिया। जिससे कि नेशनल हाईवे पर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी-लंबी कतार लग गई ।

जीत की राह नही होगीं आसानः बहरोड़ में अहीर रजमेंट की मांग को लेकर युवा अहीर समाज सम्मेलन में राठ के युवाओं ने ली प्रतिज्ञा

भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव का किया बहिष्कार

19 अप्रेल को भाजपा प्रत्याशी को नही देंगे वोट

यादव समाज के लिये गए इस फैसले से बढ़ सकती है भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव की मुश्किलें

राजस्थान की राजनीति

बहरोड(अलवर)/अजय शर्मा। राठ क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही अहीर रजमेंट की मांग को लेकर शुक्रवार शाम 5 बजे बहरोड कस्बे में यादव धर्मशाला , कबाड़ी गली, नया बस स्टैण्ड बहरोड़ में युवा यादव समाज सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में यादव समाज के युवाओं ने भाग

लिया, जिसमे समाज के प्रबुध्द लोगो ने अपने अपने विचार रखे ।सम्मेलन में यादव समाज के लोगो ने कहा कि अलवर जिले में पिछले 10 साल से भाजपा के सांसद रहे हैं पहले महंत चान्दनाथ फिर बाबा बालक नाथ व केंद्र में भी पिछले 10 सालों से भाजपा की सरकार है अलवर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की टिकिट पर चुनाव लड़ रहे भूपेंद्र यादव भी सरकार में लगातार दो बार राज्यसभा के सांसद रह चुके हैं। अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर हर गांव से युवाओ ने एकत्र होकर 16 अप्रेल को जयपुर में यादव समाज के लोगो ने बड़ा सम्मेलन किया था, उसके बाद गुरुग्राम के खेड़की ढोला में भी समाज के लोग एकत्रित हुए थे। जिसमे सरकार से अहीर रेजिमेंट बनवाने की मांग की थी । जिसमे सभी पार्टियों के के बड़े नेता शामिल हुए थे । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत , मंत्री टीकाराम जुली, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा सहित अन्य समाज के नेताओ ने अहीर रेजिमेंट बनवाने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अमित शाह को पत्र लिखे थे ।

अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर राज्यसभा सांसद भूपेंद्र यादव से यादव समाज के लोग मिले थे। युवाओ ने अपने खून से लिखा पत्र भी दिया था। भूपेंद्र यादव ने न समाज के लोगों की बात नही सुनी व युवाओ के खून से लिखे पत्र को फाड़ कर फेंक दिया। अब यादव समाज के वोट लेने के लिये अलवर से चुनाव लड़ रहा है।

शुक्रवार को बहरोड में हुए युवा यादव समाज सम्मेलन में सभी युवाओ ने एक जुट होकर प्रतिज्ञा ली हैं कि अहीर रेजिमेंट की मांग है वो जायज है ये हक है हमारा, जो अहीर रेजिमेंट बनवाने की बात करेगा,वोट उसको ही देंगे। समाज के लोगो ने कांग्रेस प्रत्याशी

ललित यादव को वोट देने का निर्णय लिया। भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव का बहिष्कार करेंगे। भूपेंद्र यादव को किसी भी हालत में वोट नही देंगे, जो समाज का नही हुआ व किसी का नही है, इसलिये सभी ने मिलकर भूपेंद्र यादव का बहिष्कार किया है।

शाही सुरक्षा में निकली बूढ़ी गणगौर की सवारीः जयपुर में राजसी ठाठ-बाट के साथ निकली माता, आज नहीं की जाती है पूजा

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में आज बूढ़ी गणगौर की सवारी निकाली गई। देश-विदेश से लोग बूढ़ी गणगौर माता की सवारी देखने के लिए जयपुर पहुंचे। दरअसल, गणगौर के अगले दिन बूढ़ी गणगौर की सवारी निकाली जाती है। इसके साथ गणगौर फेस्टिवल का समापन हो गया। इससे पहले गुरुवार को गणगौर की सवारी निकाली गई थी। इस दौरान जयपुर पूर्व राजपरिवार की गौरवी कुमारी

ने सिटी पैलेस स्थित जनाना डयोढ़ी में माता की पूजा की।

इसके बाद त्रिपोलिया गेट पर पद्मनाभ सिंह ने पूजा की। आज दूसरे दिन भी जनानी ड्योढ़ी से बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी चांदी की पालकी में निकली। जो त्रिपोलिया गेट से निकलकर त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार होते हुए तालकटोरा पहुंची। सवारी की सुरक्षा में शाही गार्ड तैनात रहे। साथ ही कलाकार कालबेलिया, कच्छी घोड़ी, चकरी, गेर जैसे फोक डांस करते हुए नजर आए।

तलाक के बाद पत्नी को देना होगा बीमार पति को गुजारा भत्ता, बॉम्बे हाई कोर्ट का आदेश

– कल्याण कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट ने भी बरकरार रखा

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक याचिका पर फैसला सुनाया है कि जिस तरह पत्नी तलाक के बाद अपने पति से गुजारा भत्ता मांगती है, उसी तरह पति को भी अपनी पत्नी से गुजारा भत्ता मांगने का अधिकार है। यदि पति बीमारी या किसी अन्य कारण से बेरोजगार है, तो वह तलाक के दौरान अपनी पत्नी से गुजारा भत्ता मांग सकता है। कोर्ट ने कहा कि पति को भी यह कानूनी अधिकार है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई से सटे कल्याण में एक तलाकशुदा पति को प्रत्येक महीने पत्नी से 10,000 रुपये का गुजारा भत्ता देने की मंजूरी दी है। दरअसल कल्याण सहदिवानी न्यायधीश ने 13 मार्च 2020 को पत्नी को यह आदेश सुनाया. इस फैसले को पत्नी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी. न्यायाधीश शर्मिला देशमुख ने पत्नी की ओर से बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर चुनौती याचिका को खारिज कर दिया है. बताया गया है कि आपसी मतभेद के चलते पति ने तलाक लेने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने कल्याण न्यायालय का दरवाजा खटखटाया. तलाक की अर्जी दाखिल करने के बाद पत्नी ने भरण-पोषण की अर्जी दाखिल की। इस दौरान पति ने भी पत्नी से गुजारा भत्ता पाने के लिए अर्जी दाखिल की. चूँकि महिला के पति बीमार और बेरोजगार हैं, इसलिए उनका आवेदन स्वीकार कर लिया गया। कल्याण कोर्ट ने इस पर फैसला सुनाते हुए कहा कि पति बीमार है और बेरोजगार भी है. इसलिए पत्नी को पति को गुजारा भत्ता देना चाहिए। अंतरिम गुजारा भत्ता 10 हजार रुपये प्रति माह की दर से तय किया गया. अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी पति के पक्ष में यह फैसला बरकरार रखा है.

अखिलेश यादव से मिले आप सांसद संजय सिंह, बोले–लोगों को डराकर भाजपा में शामिल किया रहा

लखनऊ । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की और लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। मुलाकात के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों को डराकर अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। भाजपा देश में लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि यूपी में इंडिया गठबंधन भाजपा को कड़ी टक्कर देगा। लखनऊ पहुंचने से पूर्व आप नेता संजय सिंह अपनी पत्नी अनीता के साथ बाराबंकी की मशहूर कौमी एकता के मजार देवा शरीफ दर्शन करने पहुंचे। यहां उन्होंने पत्नी के साथ सूफी संत हाजी वारिस अली शाह के मजार पर चादर चढ़ाई और दुआ मांगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हाजी वारिस अली शाह से मेरी पुरानी श्रद्धा है। मेरे पिता भी यहां दर्शन के लिए कई बार आ चुके हैं। यह देश की एक ऐसी दरगाह है जो दुनिया को इंसानियत का पैगाम देती है।

हिमाचल प्रदेश में अगले 7 दिन बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

शिमला । हिमाचल प्रदेश में फिर से आफत आने वाली है। प्रदेश में तीन दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। इसके बाद हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। अगले सात दिन तक हिमाचल प्रदेश में मौसम खराब रहेगा। शिमला मौसम केंद्र ने अनुसार, हिमाचल में 13 से 18 अप्रैल तक मौसम खराब रहेगा। वहीं, 13 से 15 अप्रैल तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, 16, 17 और 18 अप्रैल को भी बारिश के आसार है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने आंधी तूफान की भी चेतावनी दी है और कहा कि 40-50 किमी की तफ्तार से प्रदेश में तूफान आएगा। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को धूप खिली हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने कहा कि स्थानीय वजह की वजह से मौसम नहीं बदलेगा। बल्कि, हवाओं और मौसम की वैश्विक प्रणाली में ही बदलाव देखने को मिल रहे है। जलवायु परिवर्तन इसका एक मुख्य कारण है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में ऊना जिले में सबसे अधिक पारा है। हालांकि, शिमला और मनाली में अब भी मौसम ठंडा है। हालांकि, यहां पर धूप खिल रही है। इसके बाद मैदानों में गर्मी बढ़ने के चलते टूरिस्ट हिमाचल का रुख कर रहे हैं। शिमला और मनाली में टूरिस्ट की संख्या में इजाफा हुआ है। मनाली में अटल टनल और लाहौल घाटी में अब भी पहाड़ों पर बर्फ मौजूद है और टूरिस्ट यहां पहुंच रहे हैं। उधर, रोहतांग मार्ग पर गुलाबा बैरियर तक टूरिस्ट को जानी की अनुमति दी गई है।

गुरु ग्रंथ साहिब को ढाल के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकते प्रदर्शनकारी : कोर्ट

नई दिल्ली। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने सिख धर्म की पवित्र पुस्तक गुरु ग्रंथ साहिब को लेकर अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि सिख धर्म की पवित्र पुस्तक का इस्तेमाल ढाल के तौर पर नहीं कर सकते हैं। सिख कैदियों की रिहाई की मांग को लेकर गुरु ग्रंथ साहिब का दुरुपयोग करने वाले प्रदर्शनकारियों को कोई छूट नहीं मिलेगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और जस्टिस लपीता बनर्जी की खंडपीठ ने यह कहा। उन्होंने कहा, कई अवसरों के बावजूद, न पंजाब सरकार और न ही केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ धरना-प्रदर्शन पर ध्यान दे रहा है। खासतौर से मोहाली-चंडीगढ़ बॉर्डर पर इससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। कोर्ट ने साफ कर दिया कि कुछ लोग प्रदर्शन स्थल पर गुरु ग्रंथ साहिब रखे हुए थे, यह पंजाब सरकार के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई न करने का कोई कारण नहीं बनता। अदालत ने कहा, केवल यह तथ्य कि कुछ प्रदर्शनकारी गुरु ग्रंथ साहिब को ढाल के तौर पर रखकर पीछे छिप रहे हैं, यह राज्य को उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई न करने का कोई कारण नहीं होता। खासतौर से जो धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग कर रहे हों। कोर्ट की ओर से यह कहा गया कि मुट्ठी भर लोग बैठे हुए हैं। इससे सड़क अवरुद्ध होने के कारण ट्राई-सिटी (चंडीगढ़, मोहाली और पंचकुला) के यात्रियों और निवासियों को असुविधा हो रही है। प्रदर्शनकारियों को हटाने की मांग को लेकर पिछले साल एक एनजीओ (अराइव सेफ सोसायटी) ने याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह टिप्पणी की। याचिका में कहा गया कि धरने की वजह से मोहाली और चंडीगढ़ के बीच यात्रा करने वालों को काफी असुविधा हो रही है।

चीन के करीब गर्जरी.....भारत में बनी ये एंटी-टैंक मिसाइल

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने सिक्किम में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर एंटी-टैंक मिसाइल का सफल ट्रायल किया। ये फायरिंग चीनी सीमा के एकदम पास की गई। सेना ने इसका वीडियो भी जारी किया है। कॉनकर्स एम एंटी टैंक मिसाइल को लाइसेंस के तहत बीडीएल कंपनी देश में बनाती है। इसकी डील रूस के साथ हुई है। यह एक मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक मिसाइल है। यह किसी भी टैंक या बख्तरबंद वाहन को उड़ा सकती है। इस मिसाइल में एक्सप्लोसिव रिएक्टिव ऑर्मर तकनीक लगी है, जो किसी भी मजबूत टैंक को सेकेंड्स में ध्वस्त करने की क्षमता रखती है। यह मिसाइल जमीन पर स्टैंड लगाकर या बीएमपी वाहन से भी लांच सकती है। इसकी रेंज 75 से 4000 मीटर है। यह चार किलोमीटर की दूरी मात्र 19 सेकेंड में पूरी करती है। यानी दुश्मन के टैंक के पास बचने के लिए समय नहीं होता। इसके पांच वर्जन दुनिया भर में मौजूद हैं। दो का इस्तेमाल दो दर्जन से ज्यादा देशों में किया जा रहा है। इसका वजन करीब 14.6 किलोग्राम है। लांच पोस्ट के साथ वजन 22.5 किलोग्राम है। लंबाई 45 इंच और व्यास 5.3 इंच है। इसका वॉरहेड यानी हथियार जिसे 9एन131 हीट कहते हैं, वह 2.7 किलोग्राम का होता है। यह हथियार टैंक से छूते ही फट जाता है। इसकी अधिकतम गति 680 फीट प्रति सेकेंड है। इसका इंजन सॉलिड फ्यूल रॉकेट होता है। आमतौर पर इसकी रेंज 75 मीटर से लेकर 4 किलोमीटर होती है।

आईएमडी ने दिल्ली में आर्द्रता का स्तर 27 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया

नई दिल्ली । भारत मौसम विज्ञान विभाग आईएमडी ने दिल्ली में दिल्ली में आर्द्रता का स्तर 27 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। इसके साथ ही दिन में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने यह जानकारी दी कि अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

कांग्रेस के शासन में भगवान गणेश की मूर्ति भी चीन से आती थी: नड्डा

चेन्नई । (एजेंसी)। सीधी (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि बीते 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। कांग्रेस के शासन काल में प्रभु गणेश जी की प्रतिमा तक चीन से आती थी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शुक्रवार को मध्य प्रदेश के प्रवास पर हैं। उन्होंने सीधी संसदीय क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार डॉ राजेश मिश्रा के समर्थन में कहा, कांग्रेस पहले राजनीति भाई को भाई से लड़ने के लिए करती थी, मगर प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति की परिभाषा ही बदल दी।

नड्डा ने कहा, वर्तमान में ऑटोमोबाइल बाजार में भारत ने जापान को पछाड़ दिया है, भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और चीन है। हम तीसरे नंबर पर हैं। 10 साल पहले हर मोबाइल पर लिखा होता था मेड इन चाईना, अब मोबाइल पर लिखा हुआ है मेड इन इंडिया। यह फर्क है। इतना ही नहीं दुनिया में सस्ती और असरदार दवा भारत के उद्योगपति बना रहे हैं। कांग्रेस शासनकाल में हालत यह थी कि 10 साल पहले गणेश जी की मूर्ति भी चीन से आती थी। दिवाली के समय जो गणेश जी खरीदते थे, वह भी चीन से आते थे और यह खिलौने चीन से आते थे। आज भारत खिलौने के निर्यात के मामले में ढाई गुना वृद्धि कर गया है। गांधी परिवार पर हमला करते हुए नड्डा ने कहा, दिल्ली में बैठे हुए परिवार के लोग चाहे माताजी हों, बेटा हो, बेटी हो, इन्हें क्या समझ में आएगा। भारत का मूड क्या है और भारत ने किस तरह से मन बना लिया है। मुझे याद है चार महीने पहले जब मैं चुनाव प्रचार करने रीवा आया था, उस समय मुझे साफ दिखता था कि एमपी के मन में मोदी है और मोदी के मन में एमपी और आज भी मुझे दिख रहा है एमपी के मन और देश के मन में मोदी और मोदी के मन में देश और मध्य प्रदेश है। नडडा ने कहा कि पहले राजनीति होती थी लोगों को बांट कर, कांग्रेस ने लंबे समय तक भाई को भाई से बांटा। नदी के इस पार उस पार, अगड़ा-पिछड़ा, बिरादरी और वोट बैंक की पॉलिटिक्स की और उसके बाद सबका वोट लिया और वोट लेने के बाद सरकार किसी जाति की बन गई, वर्ग की बन गई, किसी समुदाय की बन गई। वह सभी की सरकार नहीं थी, लेकिन पीएम मोदी ने पिछले 10 साल में राजनीति की परिभाषा बदल दी। अब राजनीति होगी वह विकास की राजनीति होगी और रिपोर्ट कार्ड की राजनीति होगी।

दिल्ली से चुनाव लड़ सकते हैं कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियां अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर रही हैं। इसी बीच जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार के दिल्ली से चुनाव लड़ने की अटकलें काफी तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कांग्रेस कन्हैया कुमार को इस लोकसभा चुनाव में दिल्ली में उतार सकती है। सूत्रों के अनुसार बुधवार को पार्टी के आलाकमान ने दिल्ली और हरियाणा के प्रभारी दीपक बाबरिया और दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली और कन्हैया कुमार के साथ एक बैठक की थी। जिसमें कन्हैया कुमार ने दिल्ली से चुनाव लड़ने पर जोर दिया है। सूत्रों की मानें तो कन्हैया कुमार बस दिल्ली से चुनाव लड़ना चाहते है चाहे वो कोई भी सीट हो। बता दें कि कन्हैया कुमार की चुनाव लड़ने को लेकर आज एक और बैठक होगी। जिसमें पार्टी के आलाकमान शामिल होंगे। आज होने वाली बैठक में कन्हैया कुमार के साथ ही कुछ अन्य राज्यों की सीटों के उम्मीदवारों के नाम पर भी चर्चा होगी। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आप के बीच दिल्ली में सीटों का बंटवारा हुआ है। जिसमें 7 सीटों में से आप को 4 सीटें मिली हैं जबकि कांग्रेस के पास तीन सीटें हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास दिल्ली की उत्तर पश्चिम, उत्तर पूर्व और चांदनी चौक की सीट है। ऐसे में अब देखना होगा कि कांग्रेस कन्हैया कुमार को कौन सी सीट देती है।हालांकि कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि दिल्ली कांग्रेस के साथ ही स्क्रीनिंग कमेटी के कुछ नेताओं ने संभावित ध्रुवीकरण का हवाला देते हुए कन्हैया कुमार को चुनाव में उतारने पर आपत्ति जताई है। हालांकि पार्टी के आलाकमान का ही निर्णय आखिरी होगा। कन्हैया कुमार को दिल्ली की सीट से चुनाव में उतारने की अटकलों के बीच कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि कन्हैया कुमार के चुनाव मैदान में उतारने से पार्टी को फायदा होगा। दरअसल कन्हैया कुमार शहर में बसे पूर्वांचल के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बैठा सकते है जो पार्टी के लिए काफी अच्छा साबित होगा। साल 2019 की तरह इस बार भी चुनाव 7 चरणों में हो रहे हैं। पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं दिल्ली में 25 मई को छठे चरण में वोटिंग होगी। दिल्ली में एक ही दिन में सातों सीटों पर मतदान होंगे।

यूपी से पहले व्यापारी, अब गुंडे कर रहे पलायन: अमित शाह

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न लोकसभा सीटों पर चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पश्चिमी यूपी में पहले डर का माहौल था। कारोबारी अपनी जमीन, दुकान और मकान छोड़कर पलायन करने को मजबूर थे। अब योगी सरकार में यहां से गुंडे और माफिया पलायन कर रहे हैं। व्यापारी अपना व्यापार कर रहे हैं और महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 2013 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में दंगे, गो तस्करी और गुंडों का राज चलता था। अब यहां डर, दंगे, गो तस्करी की जगह वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट का काम शुरू हो गया है। पश्चिम उत्तर प्रदेश से व्यापारी पलायन कर रहा था। कैराना से हिंदू पलायन कर रहा था।

अपने सम्बोधन में भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि आपने सपा को हटाया तो अब यहां से व्यापारी और हिंदू, कमजोर की जगह गुंडे पलायन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था को चाक चौबंद करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 500 साल बाद इस रामनवमी पर रामलला अपना जन्मदिन टेंट के बजाय अपने भव्य मंदिर में मनाएंगे। कांग्रेस से साथ सपा और बसपा राम मंदिर का विरोध करते रहे। मोदी सरकार में राम मंदिर को तैयार करवाया गया। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि 2014 और 2019 में मोदी के पीएम बनने का सबसे बड़ा कारण उत्तर प्रदेश था। उत्तर प्रदेश ने 2014 में 73 सीटें और 2019 में 65 सीटें दीं और इसलिए पीएम मोदी बन गए। इस बार यूपी की 80 सीटों पर जीत दर्ज कराएंगे।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 10 साल में देश की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से पांचवें नंबर पर पहुंचा दिया। तीसरी बार मोदी पीएम बनेंगे तो तीसरे नंबर पर पहुंचा देंगे। मोदी ने एक लाख गरीब बहनों को लखपति बनाया है। कहा किया विपक्षी हमारा और राम मंदिर का विरोध करते रहे। राम मंदिर का निर्माण के बाद प्राण प्रतिष्ठा का विपक्षियों को निमंत्रण दिया गया। इसके बाद भी वह इस आयोजन में सम्मिलित भी नहीं हुए। उनको अपने वोट बैंक का डर सता रहा था। उन्होंने कहा कि सालों तक मंदिर को बने नहीं दिया गया। उनमें इतनी हिम्मत भी नहीं थी कि प्राण प्रतिष्ठा के वक्त वह वहां मौजूद रह सकें। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सिर्फ राम मंदिर ही नहीं, बाबा विश्वनाथ का दरबार भी सजाया गया। इसके अलावा बदरीनाथ और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण भी करवाया गया। सोमनाथ का मंदिर बनाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में 10 साल के अंदर आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त किया गया। उन्होंने कहा कि 10 साल तक कांग्रेस पार्टी की सरकार थी।

राहुल गांधी वायनाड में जाकर अमेठी को गालियां देते हैं: स्मृति ईरानी

अमेठी (एजेंसी)। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक बार फिर अमेठी से सांसद रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि सभी ने नाम बदलते, गांव बदलते सुना है, लेकिन परिवार बदलते किसी ने नहीं सुना। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड में कहा कि वायनाड उनका परिवार है और वहां के लोग वफादार हैं। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह हुआ कि 15 साल तक जहां के वह (राहुल) सांसद रहे उस अमेठी के लोग वफादार नहीं हैं। वह वायनाड में जाकर अमेठी को गालियां देते हैं। ऐसे लोगों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए इस बार अमेठी का मतदाता तैयार है।

शुक्रवार को यहां अपने आवास पर यादव बिरादरी के लोगों से मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गांधी खानदान खासकर राहुल गांधी चाहते थे कि अमेठी में लोग गरीब बने रहें, इसीलिए जब कोई गरीब का बेटा भारत का प्रधान सेवक बनता है उसे ये पचा नहीं पाते। उन्होंने कहा कि गरीबी झेलकर अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी के बल पर आप सभी के आशीर्वाद से देश के प्रधान सेवक बने नरेन्द्र मोदी को कांग्रेस या गांधी खानदान पचा नहीं पा रहा है। केन्द्रीय मंत्री ईरानी ने कहा कि राहुल गांधी के 15 साल बनाम मेरे पांच साल को देखा जाए तो दिखाई पड़ता है कि गांधी खानदान ने किस तरीके से अमेठी की उपेक्षा की। अमेठी में उन्होंने जो 50 साल में नहीं किया, राहुल गांधी ने जो 15 साल में नहीं किया उसे डबल इंजन की सरकार ने पांच साल में करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि आप सभी ने कभी अमेठी में ऐसा सांसद नहीं देखा होगा जो गांव में खड़े होकर नालियों की साफ सफाई कराए। लेकिन आप सब ने मुझे बहन माना तो मैंने बहन का फर्ज निभाया। ईरानी ने कहा कि जब राहुल गांधी को छींक आती थी तो वह इलाज के लिए विदेश भाग कर जाते थे, लेकिन अमेठी के लोगों के लिए एक मेडिकल कॉलेज नहीं बनवाया और अमेठी में मेडिकल कॉलेज तब बना जब केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार बनी।

गरीबों के हक पर डका डलाने में जुटी भाजपा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार गरीबों के हक पर डाका डालने में लगी हुई है। इसकारण एक ही झटके में 1250 डिपो संचालकों के लाइसेंस को रद्द कर दिए है। ऐसा होने से राशन कार्ड धारकों के सामने तेल-अनाज का इंतजाम करना चुनौती होगा है। एक साथ इतने लाइसेंस रद्द होने से लाखों गरीबों के सामने राशन को लेकर संकट खड़ा हो सकता है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में सस्ते राशन की दुकान के तौर पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 9300 लोगों का डिपो होल्डर के लाइसेंस दिए हुए हैं। लेकिन, पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने एक आदेश जारी कर 60 साल से अधिक उम्र वाले डिपो होल्डर के लाइसेंस खत्म करने के आदेश जारी कर दिए थे। इसके विरोध में डिपो होल्डर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की शरण में पहुंच गए। कांग्रेस नेता सैलेजा ने कहा कि हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार के आदेश पर 31 मार्च तक के लिए रोक लगा दी थी। इसके बाद उन 1250 डिपो होल्डर के सामने से तालाबंदी का संकट टल गया था। लेकिन, 31 मार्च को हाईकोर्ट से मिली राहत की समय अवधि खत्म होने बाद अब इनके लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। हरियाणा के इतिहास में यह पहला मौका है, जबकि एक ही झटके में 1250 डिपो लाइसेंस खत्म हो गए हैं। इन सभी लाइसेंस धारकों की उम्र 60 साल को पार कर चुकी है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि जिन डिपो के लाइसेंस रद्द हुए हैं, उन्हें अप्रैल महीने का राशन भी उपलब्ध नहीं कराया गया है। जो लोग इनसे जुड़े हुए थे, वे राशन आने से संबंधित जानकारी एकत्रित करने के लिए बार-बार इनके पास पहुंच रहे हैं। सरसों के तेल, चावल, गेहूं, नमक, चीनी आदि की उपलब्धता के बारे में बार-बार पूछ रहे हैं, लेकिन लाइसेंस गंवाने वाले डिपो होल्डर कोई भी जवाब इन लोगों को नहीं दे पा रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश के 1.68 करोड़ गरीब परिवार राशन के लिए डिपो होल्डर पर निर्भर हैं। राशन न मिलने से इनमें से करीब 14 प्रतिशत के सामने रोटी का संकट खड़ा होने लगा है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को लेकर कुछ बड़ा करने की तैयारी में मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार सामाजिक सुरक्षा कवरेज को बढ़ाने के लिए सरकारी स्तर कुछ बड़ा करने वाली है। खबर है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत वेतन सीमा को अब 15,000 से बढ़ाकर करीब 21,000 किया जा सकता है। ऐसा करना सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम होगा।

पीएफ के लिए वेतन सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव पिछले कई वर्षों से ठंडे बस्ते में पड़ा था। अब इस प्रस्ताव पर फिर से विचार हो रहा है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया, हम सभी विकल्पों का मूल्यांकन कर रहे हैं और इसबारे में निर्णय नई सरकार द्वारा लिया जा सकता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के मुताबिक केंद्र सरकार का मानना है कि भारतीय उद्योग जगत की मजबूत बैलेंस शीट वेतन सीमा में बढ़ोतरी के कारण उद्यमों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ को कम करने में मदद करेगी। अधिकारी के अनुसार, वेतन सीमा बढ़ाने से सरकार और निजी क्षेत्र

दोनों पर भारी वित्तीय प्रभाव पड़ेगा।

एक अधिकारी ने बताया कि यदि केंद्र सरकार अधिक से अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना चाहती है, तब केंद्र सरकार को उस दिशा में आगे बढ़ना होगा। अनुमान है कि बढ़ी हुई वेतन सीमा से लाखों श्रमिकों को लाभ होगा क्योंकि अधिकांश राज्यों में न्यूनतम मजदूरी 18,000 और 25,000 के बीच है। अभी जो वेतन सीमा है, उस वजह से वे किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा से वंचित हो जाते हैं। ईपीएफओ के तहत वेतन सीमा में आखिरी बार साल 2014 में बदलाव हुआ था। तब वेतन सीमा को 6,500 से बढ़ाकर 15,000 कर दिया गया था। हालांकि, इससे उलट कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में भी वेतन की सीमा इससे ज्यादा है। वहां साल 2017 से ही 21,000 की उच्च वेतन सीमा है और सरकार के भीतर इस पर सहमति है कि दो सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत वेतन सीमा को अलाइन किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ईपीएफओ और ईएसआईसी दोनों श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं। कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के तहत, कर्मचारी और नियोक्ता दोनों ईपीएफ खाते में मूल वेतन, महंगाई भत्ता और प्रतिधारण भत्ता, यदि कोई हो, 12 प्रतिशत का समान योगदान करते हैं। पीएफ खाते में जहां कर्मचारी का पूरा योगदान भविष्य निधि खाते में जमा किया जाता है, वहीं नियोक्ता के योगदान का 8.33 प्रतिशत कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है और शेष 3.67 प्रतिशत पीएफ खाते में जमा किया जाता है।

नीतीश के निशाने पर रहा लालू-राबड़ी राज, बोले- वे केवल सत्ता और संपत्ति का आनंद लेना चाहते हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज अपने पुराने रंग में नजर आए। भाजपा से हाथ मिलाने के बाद उनके निशाने पर एक बार फिर से लालू प्रसाद यादव और राबड़ी आ गए हैं। नीतीश कुमार ने आज से लोकसभा चुनाव का प्रचार शुरू किया है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार में 15 साल तक पति-पत्नी का शासन रहा। नवादा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि राजद और एनडीए 2005 से एक साथ हैं, जबकि पिछले दो दशकों में उनकी साझेदारी कई बार तनाव में थी। नवादा से भाजपा ने विवेक ठाकुर को अपना उम्मीदवार बनाया है।

नीतीश ने कहा कि आप जानते हैं कि नवंबर 2005 से जब हमें मौका मिला तो हमने बीजेपी के साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया। बीच में दो जगह हम इधर उधर हो गए, लेकिन फिर वापस हो गए, अब इधर उधर हम होनेवाले नहीं हैं। हम शुरू से ही साथ काम कर रहे हैं। विपक्ष पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि पहले बिहार में क्या था? 15 साल तक पति-पत्नी का राज रहा। क्या आपको वो दिन याद हैं जब कोई भी शाम के समय अपने घर से बाहर नहीं निकल पाता था। हम सांसद थे और केंद्र में मंत्री थे, तब भी हमें अपने संसदीय क्षेत्र में जाने के लिए पैदल जाना पड़ता था, क्योंकि वहां सड़कें नहीं थीं।

राज्य में महागंठबंधन (महागठबंधन) में कांग्रेस और अन्य दलों के साथ एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद, जदयू एनडीए में लौट आया और इस साल की शुरुआत में भाजपा से हाथ मिला लिया। इस बदलाव के कारण नीतीश कुमार ने नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। नीतीश कुमार इससे पहले अगस्त 2022 में महागठबंधन में शामिल हो गए थे और कांग्रेस और राजद के समर्थन से नई सरकार बनाई थी। यह बताते हुए कि नीतीश कुमार इस साल एक बार फिर एनडीए में क्यों शामिल हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पार्टी गठबंधन में उनका वापस स्वागत करके खुश है और उन पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमारे सत्ता संभालने से पहले बिहार में क्या था? बुनियादी ढांचा अस्त-व्यस्त था। सत्ता संभालने के बाद चीजें बेहतर होने लगीं। अब, हमें केंद्र से बहुत समर्थन मिल रहा है। हमेशा खुद को एक 'धर्मनिरपेक्ष' नेता के रूप में पेश करने वाले कुमार ने कहा, ''जब तक हम सत्ता में नहीं आए और चीजों को व्यवस्थित नहीं किया, तब तक बिहार में बहुत सारे हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। अल्पसंख्यक समुदाय के लिए मेरे कार्यकाल में बहुत कुछ किया गया। मुझे उम्मीद है कि मेरे कार्यकाल के दौरान किया गया यह सबकुछ सिर्फ इसलिए नहीं भुला दिया जाएगा कि मैं फिर से भाजपा के साथ हूं।'' जदयू अध्यक्ष ने वर्ष 2015 में और फिर 2022 में कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद की राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ अल्पकालिक गठबंधन किया।

प्रसाद पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए जदयू प्रमुख ने कहा कि कोई भी उनके परिवार के करीबी सदस्यों के नाम तक नहीं जानता। जदयू प्रमुख ने राजद अध्यक्ष के बेटों पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव और उनकी बेटियों (मीसा भारती और रोहिणी आचार्य, जो क्रमशः पाटलिपुत्र और सारण से राजद उम्मीदवार हैं) की ओर इशारा करते हुए कहा, ''जरा देखें कि परिवार के कितने सदस्यों ने सत्ता का आनंद लिया है और कितनों को टिकट मिला है।'' राजद प्रमुख और उनके परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की ओर इशारा करते हुए कुमार ने कहा, ''वे सत्ता और संपत्ति का आनंद लेना चाहते हैं। दूसरी ओर, कोई भी मुझ पर मुख्यमंत्री के रूप में अपने 18 वर्षों में गलत तरीके से एक पैसा कमाने का आरोप नहीं लगा सकता है।'' कुमार ने सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर भर्तियों का श्रेय लेने का दावा करने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर प्रहार करते हुए कहा, ''उनके (तेजस्वी) आने से पहले लिए गए नीतिगत निर्णयों के अनुरूप भर्तियां हो रही थीं। लेकिन वह बड़ी-बड़ी बातें करते रहे, इसलिए हम उनको हटा दिए।''

भ्रष्टाचार के विरोध की पटकथा, केजरीवाल और परिवारवाद

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद को राजनीति से अलग करने की जरूरत है, क्योंकि जहां परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति होगी, वहां लोकतंत्र के लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी। लोकतंत्र जनता का होता है, जहां जनता को महत्व मिलेगा, वही तो लोकतंत्र है, और जहां परिवार को महत्व दिया जाता हो, वहां तानाशाह जैसी प्रवृत्ति जन्म लेती है। उनको इसका अहंकार भी हो सकता है कि हम तो सत्ता के लिए ही बने हैं और यही अहंकार भारत के लोकतंत्र को कमजोर करता है। इसलिए अब इस बात की बहुत आवश्यकता है कि भारत में लोकतंत्र को कायम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, नहीं तो जनता के शासन के स्थान पर परिवारवाद के सहारे तानाशाही का राजनीति कायम हो जाएगा।

भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। यह सभी जानते हैं कि भारत में जनता के लिए जनता का ही शासन है। जनता के शासन का सीधा तात्पर्य यही है कि जनता अपने बीच के किसी व्यक्ति को नायक बनाकर अपना प्रतिनिधि बनाती है। लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल नि ित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोबेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग दिखा रहे हैं। अभी कुछ दिन पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी राजनीतिक दलों ने लोकतंत्र बचाने के नाम पर एक रैली की, जिसमें परिवार को राजनीतिक विरासत सौंपने की ही राजनीति दिखाई दी। इसका तात्पर्य यही हो सकता है कि अब विपक्षी दल लोकतंत्र के बजाय परिवारवाद को ज्यादा महत्वपूर्ण मान रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में सत्ता चाह की रास्ते तलाश करने वाला विपक्ष आज पूरी तरह से परिवारवाद की राजनीति को ही चरितार्थ करने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिर तारी के प ात विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति परिवार को आगे लाने की कवायद करने वाली ही लग रही है। पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय जनता दल केवल अपने परिवार को ही आगे करके राजनीति करते रहे और आज भी कर रहे हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम आदमी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा भी शामिल हो गई है। मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी अब सक्रिय राजनीति में कदम रख दिया है। हालांकि वे जनता की सहानुभूति पाने के लिए अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक अस्तित्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास करेंगी, लेकिन केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर विपक्ष की ओर से कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं है।

जिस भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आज से एक दशक

पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान से पटकथा लिखी गई, आज वही रामलीला मैदान भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर केजरीवाल को बचाने का गवाह बना। लोकतंत्र बचाने के नाम पर की गई इस रैली को किसी आभासी प्रहसन से कम नहीं कहा जा सकता। अगर केजरीवाल ने कुछ किया नहीं होता तो उसे न्यायालय से आरोप मुक्त करके छोड़ दिया जाता। पहले प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत के बाद अब केजरीवाल न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। ऐसे में यह भी स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास अपने बचाव के लिए ठोस प्रमाण नहीं हैं।

यह बात सही है कि एक समय दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार और वर्तमान राजनीतिक कार्यप्रणाली से बहुत त्रस्त हो गई थी, ऐसी स्थिति में जनता को केजरीवाल में एक नायक दिखाई दिया, जो जननायक बनने की श्रेणी में आ सकता था, लेकिन जब उन पर और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे, तब इस पटकथा की इबारत बदली हुई सी लगने लगी। अब आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा के सांसद संजय सिंह दो लाख के निजी मुचलके पर जेल से सशर्त बाहर आए तो उनका स्वागत ऐसे किया गया, जैसे वे आरोप मुक्त हो गए हों। आम आदमी पार्टी के इस प्रकार के चरित्र को देखकर यही कहा जा सकता है कि जो पार्टी राजनीति में बदलाव लाने का सपना दिखाकर मैदान में आई थी, आज वह भी समय के अनुसार बदल गई है। खैर यहां परिवारवाद की बात हो रही है। संजय सिंह जेल से छूटने के बाद अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने पहुंचे। यह वाकया नि ित ही यह संकेत दे रहा है कि अब संभवतः सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सपनों को पूरा करने वाली हैं।

यह बात एक दम प्रामाणिक रूप से कही जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा परिवारवाद है, इसके बावजूद भी राजनीतिक दल अपने परिवार तक ही अपने दल को सीमित रखने की कवायद कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि इन दलों को वास्तविक लोकतंत्र से कोई मतलब नहीं है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने तो परिवारवाद की सीमाएं लांघ दी। उन्होंने बिना किसी राजनीतिक योग्यता के एक अनपढ़ पत्नी को राज्य की कमान सौंप दी। अब अपने पुत्रों को गद्दी सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। इसी प्रकार दो बार लोकसभा के चुनावों में पराजय की स्थिति में पहुंचाने वाले विरासती पृष्ठभूमि के नेता राहुल गांधी भी परिवारवाद के ही परिचायक हैं।

आज भले ही कांग्रेस ने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष बदल दिया हो, लेकिन वे भी राहुल गांधी को किनारे करने का साहस नहीं दिखा सकते। कांग्रेस के बारे में यही कहा जा सकता है कि वह आज भी परिवारवाद के चंगुल से बाहर नहीं निकल सकी है। कुछ ऐसा ही नहीं, बल्कि इससे ज्यादा परिवारवाद समाजवादी पार्टी में दिखता है। मुलायम सिंह के परिवार के लगभग सभी सदस्य या तो विधायक और सांसद हैं या रह चुके हैं। बसपा नेता मायावती ने भी अपनी विरासत अपने परिवार को ही सौंपी है। ऐसे उदाहरण से क्षेत्रीय दल भी अछूते नहीं हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट पर परिवार कायम है तो नेशनल कान्फ्रेंस पर शेख अब्दुल्लाह का परिवार ही कमान संभाल रहा है। खास बात यह है कि यह सभी परिवार पार्टी के मुखिया ने ही स्थापित किए हैं। लोकतंत्र में ऐसी राजनीति नहीं होना चाहिए।

भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद को राजनीति से अलग करने की जरूरत है, क्योंकि जहां परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति होगी, वहां लोकतंत्र के लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी। लोकतंत्र जनता का होता है, जहां जनता को महत्व मिलेगा, वही तो लोकतंत्र है, और जहां परिवार को महत्व दिया जाता हो, वहां तानाशाह जैसी प्रवृत्ति जन्म लेती है। उनको इसका अहंकार भी हो सकता है कि हम तो सत्ता के लिए ही बने हैं और यही अहंकार भारत के लोकतंत्र को कमजोर करता है। इसलिए अब इस बात की बहुत आवश्यकता है कि भारत में लोकतंत्र को कायम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, नहीं तो जनता के शासन के स्थान पर परिवारवाद के सहारे तानाशाही का राजनीति कायम हो जाएगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

मोदी की गारंटी

मोदी की गारंटी कांग्रेस और राजद वाले इंडी गठबंधन को परेशान कर रही है और कांग्रेस टुकड़े-टुकड़े गैंग की भाषा बोल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर हमला करते हुए नवादा में ये बातें कही। अपने तीसरे कार्यकाल में कई और गारंटी आने की बात कहने वाले मोदी ने गांव की तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने व ड्रोन पायलट बनाने की योजना दोहराई। पीएम सूर्य पर चालू की गई अपनी मु त बिजली योजना द्वारा गरीबों व मध्यवर्ग का बिजली बिल शून्य होने की बात भी की। मैं देशवासियों को मेहनत करने की गारंटी देता हूं, 24 घंटे काम करूंगा तो क्या यह गुनाह है। मोदी की नीयत साफ है, इसलिए गारंटी देता है, लेकिन अहंकार में डूबे इंडी गठबंधन वाले अपने को देश का स्थायी शासक समझने लगे हैं। हालांकि मोदी के इस भाषण के बाद बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मोदी की गारंटी को चायनीज बताया। साथ ही कांग्रेस के खातों को बंद करने पर भी सवाल उठाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रक्रिया दी कि चुनाव परिणामोंके बाद मोदी को लंबी छुट्टी पर जाना पड़ेगा। कहने को तो इन आरोपों प्रत्यारोपों को चुनावी कहा जा सकता है। मगर यह हकीकत है कि मोदी सरकार अपने पिछले दोनों कार्यकालों की विभिन्न योजनाओं का प्रचार निरंतर करती है। मोदी ने खुद को किसी ब्रांड की तरह स्थापित ही नहीं किया है बल्कि इस प्रचार को लगातार गंभीरतापूर्वक प्रसारित भी किया जाता रहा है। मु त योजनाओं के बल पर मतदाताओं को लुभाने का यह कोई नायाब तरीका नहीं है। साल दर साल इसमें इजाफा ही होता जा रहा है। शिक्षा, सेहत, रोजगार और पर्यावरण जैसी बुनियादी बातों की बजाए लोक-लुभावन वायदों के बल पर मतदाताओं को फौरी तौर पर प्रभावित करना लंबे समय के लिए बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता। निःसंदेह मोदी बगैर किसी अवकाश के लगातार काम करते हैं। साथ ही चौकन्ने रहते हैं और अपनी बातों से जनता को प्रभावित करने का गुर उन्हें भली-भांति आता है। जैसा कि राम मंदिर बनाने की बात दोहरा कर वे बार-बार अपने वायदे निभाने के अंदाज को दोहरा कर जनता को आस्त करते भी नजर आते हैं। यह तो आने वाला वक्त ही बताइगा कि उनके पिछले वायदों के भरोसे रहा मतदाता इन नये वायदों पर कितना विश्वास करता है।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्र ाभूत अवस्था अर्थात ब्र ा से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्र ाभूत या ब्र ा से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्र ा से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।

देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है।

वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

यह ब्र ाभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता है। ब्र ाांड का महान से महानतम पुरुष भी भक्त के लिए क्षुद्र चींटी से अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता।

शांतिपूर्ण धरना भी अब अपराध की श्रेणी में?

सनत जैन

भारत में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करना भी अपराध की श्रेणी में आ गया है? धरना प्रदर्शन के लिए यदि अनुमति मांगी जाती है। जिला और पुलिस प्रशासन आमतौर पर कानून व्यवस्था की स्थिति के नाम पर विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देता है। यदि दबाव में अनुमति दे भी दी, तो उसमें इस तरह की शर्तें लगा दी जाती हैं। जिसका पालन आयोजक के वश में ही नहीं रहता है। यदि प्रदर्शन सरकार और प्रशासन के खिलाफ हो रहा है। ऐसी स्थिति में प्रदर्शन करने की आमतौर पर अब अनुमति नहीं मिलती है। जिला प्रशासन द्वारा धारा 144 का उपयोग धरना प्रदर्शन को रोकने में अब बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। धारा 144 लगाकर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। जो भारतीय नागरिकों के मूलभूत अधिकार को खत्म करने जैसा है। इसी तरह से पुलिस लोगों को गिर तार कर लेती है। उन्हें गिर तारी का कारण नहीं बताया जाता है। पुलिस द्वारा गिर तारी का कारण पूछने पर उस पर सरकारी काम में अवरोध पैदा करने, तरह-तरह के आरोप लगाकर, पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज कर लेती है। कई मामलों में तो यह भी देखने में आया है। पुलिस बिना सूचना दिए चार्ज शीट अदालत में पेश कर देती है। धरना प्रदर्शन के मामलों में फरार घोषित कर दिया जाता है। न्यायालयों में कई वर्षों तक मुकदमा लंबित रहता है। कई वर्षों तक लोगों को न्यायालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। हाल ही में चुनाव आयोग के सामने शांतिपूर्वक धरना दे रहे टीएमसी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन और लगभग एक दर्जन लोगों को दिल्ली पुलिस ने गिर तार किया। दिल्ली पुलिस उन्हें घसीट कर बस तक ले गई। पुलिस उन्हें यह भी नहीं बता रही थी, दिल्ली पुलिस उन्हें क्यों हिरासत में ले रही है। वह अपनी बात रखने के लिए चुनाव आयोग के कार्यालय में आए थे। वह धरना देकर शांति पूर्वक विरोध दर्ज करा रहे थे। सांसद डेरेक का कहना था,दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें नौवीं बार हिरासत में लिया गया है। हम लोग शांतिपूर्ण ढंग से बैठे हुए थे। मीडिया से बात कर रहे थे। इसी बीच पुलिस आई और अपराधियों की तरह घसीट कर ले गई। यह सब कैमरे के सामने हो रहा था। इसके बाद भी पुलिस को कोई फर्क नहीं पड़ा। पुलिस गिर तार करके उन्हें बसों से मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर उन्हें काफी देर तक रखा। उसके बाद 2 घंटे तक वह बस में हम लोगों को घुमाते रहे। कहां ले जा रहे हैं, और किस अपराध में हिरासत में लिया है। यह भी पुलिस द्वारा नहीं बताया गया। लगभग 2 घंटे अवैध हिरासत में रखने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। सांसदों के साथ ऐसा व्यवहार किए जाने पर उन्होंने एतराज जताते हुए कहा, कानून के अनुसार सीआरपीसी की धारा 500(1) के तहत हिरासत में लिए जाने वाले व्यक्ति को गिर तारी का कारण बताया जाना जरूरी होता है। लगभग 2 घंटे तक किसी को कुछ भी नहीं बताया गया। निकटतम पुलिस स्टेशन पर भी नहीं ले जाया गया। घंटो बस में घुमाने के बाद छोड़ दिया गया। भारत में कानून तो बना दिए जाते हैं। लेकिन कानून का पालन वही लोग नहीं करते हैं, जिनके ऊपर कानून के पालन कराने की जिम्मेदारी होती है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से धरना और प्रदर्शन की अनुमति देने में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अड़ंगेबाजी लगता है। तरह-तरह की ऐसी शर्तें लाद देता है। जिनका पालन करना आयोजक के लिए संभव ही नहीं होता है। जिला प्रशासन को ऐसा लगता है, कि धरना प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। ऐसी स्थिति में धारा 144 का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस की बर्बरता भी बड़ी आम हो गई है। जब पुलिस और जिला प्रशासन ही नियमों का पालन नहीं करते हैं। तब स्थिति और भी विकट हो जाती है। किसान आंदोलन के दौरान हरियाणा की पुलिस ने जिस तरह की बर्बरता किसानों के ऊपर की है। उसे सारे देश ने देखा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को किस तरह से रोका जाता है। किसानों के ऊपर जिस तरह से अश्रु गैस के गोले छोड़े गए। किसानों को रोकने के लिए जिस तरीके के अवरोध लगाए गए। दिल्ली प्रदर्शन के लिए जाने वाले किसानों को हरियाणा में ही रोक लिया गया। यह भी सारे देश ने देखा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में जहां मानव अधिकार और कानून का राज है। उन नियमों-कानूनों को तोड़ने का काम यदि पुलिस करने लगती है। इससे स्थिति खराब होती है। सीबीआई और ईड़ी जैसी जांच एजेंसियों के ऊपर भी इसी तरीके के आरोप लगने लगे हैं। गिर तारी के बाद भी कई दिनों तक अवैध रूप से हिरासत में रखने के कई मामले सामने आ चुके हैं। कई दिनों बाद गिर तारी बताने के बाद कोर्ट में पेश किया जाता है। पीएमएलए कानून, जो ड्रग माफिया और आतंकवादियों के लिए बनाया गया था। सरकार और जांच एजेंसी उस कानून का उपयोग विपक्षी दलों के खिलाफ किया जा रहा हैं। वर्षों विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ कोई सबूत नहीं होने के बाद भी उन्हें जेलों में बंद करके रखा जा रहा है। इसकी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिलने लगी है। आम जनता तो कई वर्षों से इस तरीके की प्रताड़ना को झेलती आ रही है। अब बड़े-बड़े राजनेता, संवैधानिक पदों पर बैठे हुए मंत्री, मुख्यमंत्री,सांसद और विधायक इस तरह की प्रताणना के शिकार हो रहे हैं। इसके बाद गैर कानूनी हिरासत में रखने के मामले में चिंता जाहिर की जा रही है। अति सर्वत्र वर्जयते की तर्ज पर जब बड़े-बड़े संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोग अवैध हिरासत के शिकार हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में आशा की जा सकती है। भविष्य में जिन लोगों के ऊपर कानूनो का पालन कराने की जिम्मेदारी दी गई है। उनको भी कानून के अनुसार जिम्मेदार बनाए जाने की दिशा में भविष्य में कोई ना कोई प्रयास जरूर राजनेता करेंगे। जो अधिकारी नियमों और कानून का पालन नहीं करते हैं। ऐसी स्थिति में उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। उन्हें दंडित किया जाए, तभी जाकर स्थितियों में सुधार आ सकता है।

कांग्रेस की कमजोर कड़ी हैं कौन है?

संजय गोस्वामी

कांग्रेस की कमजोर कड़ी श्री राहुल गाँधी जी हैं जो बार बार सुर्खियों में बना रहना चाहते हैं इसके कारण पार्टी 2गुटों में बंट गई राहुल गाँधी का बरबोलापन पढ़े लिखे लोगों को नहीं अच्छा लगता है कभी लोकतंत्र को लेकर विदेशों में अटपटा बोल देना कभी आरएसएस, और मोदीजी को चौकीदार चोर है और कभी सावरकर को लेकर गलत बोलना, और डंके की चोट पर ऐ सब बता देना और अधिकांश समय विदेशों में रहना और चुनाव के वक्त भारत का बार बार भ्रमण करना उनकी मजबूरी को दशार्ता है, भगवान राम के जन्मस्थान पर तो देश की आजादी के बाद ही निर्माण शुरू हो जाना चाहिए था। बिलकुल वैसे ही, जैसे सरदार वल्लभभाई पटेल के आदेश पर सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था। बिंदल ने कहा कि आजादी के समय प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भगवान राम मंदिर के निर्माण कराने को अवरुद्ध कर दिया था। उन्होंने राम मंदिर को लेकर लोगों का ध्यान भटकाया और इसे स्थगित कर दिया। बिंदल ने कहा कि नेहरू ने भगवान राम के अस्तित्व को चुनौती थी। उन्होंने कहा था कि राम सेतु मौजूद है या नहीं, इसको लेकर हलफनामा दायर किया था। मैं एक सेमिनार में शायद 2017 में मप्रएसएसआरआई, उज्जैन में स्व कृपलाणी जी के ऊपर एक सम्मलेन में गया था वहाँ व्यक्तिगत संबाद में कांग्रेस की हार की वजहों का विश्लेषण कर बड़े बड़े विद्वान ने बताया की कांग्रेस की हार की सबसे बड़ी वजह राहुल गाँधी के कारण है जिसे बहुत से शिक्षाविद नहीं चाहते है और शायद यही सबसे बड़ी वजह हो लोग ऐ आकड़ा भी प्रस्तुत किये जिसमें यदि राहुल की जगह स्व प्रणव मुखर्जी जैसे नेता हों तो शायद एक अच्छा जनाधार मिल सकता है इसके वजह से उसके अंदर ही कलह राहुल गांधी ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोलना है, उनका कहना कि मेरा काम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने का और लोगों को जोड़ने का है, ऐ लोग अब सुन कर ऊब गए हैं कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, राम मंदिर और भगवान राम सबके हैं, राम मंदिर को बीजेपी, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद या बजरंग दल का मान लेना दुर्भाग्य की बात है।इसके बाद वो खुद राम लला के दर्शन करने अयोध्या गए बाद में पार्टी विरोधी गतिविधि के कारण उन्हें 6साल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया और इधर संजय निरुपम को भी मुंबई से सीट ना देने के कारण बोलें तो निकाल दिया गया कांग्रेस हिंदू विरोधी या राम विरोधी पार्टी है या नहीं इसमें सभी नेताओं की अलग अलग राय है। इस फैसले से करोड़ों कार्यकताओं का भी दिल टूटा है। उन कार्यकताओं का जिनकी आस्था भगवान राम में है।कांग्रेस वो पार्टी है जिसके नेता राजीव गांधी ने ही राम मंदिर का शिलान्यास कराया और मंदिर के ताले तुड़वाने का काम किया था। लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को स्वीकार न करना बहुत दुखद है।भगवान श्री राम के राम मंदिर पहले ही बन जाना चाहिए था लेकिन राजनीति के कारण इसे कांग्रेस ने गड्ढे में धकेल दिया लेकिन राम में इतना शक्ति है कि वो अपने भक्तों को हमेशा ख्याल रखते है पहले कारसेवक कोठरी बंधु के नाम पर जो हँसते थे वो शांत होकर मौनब्रत धारण कर लिया लेकिन आज दुनिया उनके कार्य पर गर्व करती है और यही हर भारतीय के मन में भगवान श्री राम के प्रति हो वो तो मंदिर के नाम सुनते ही निकल गए भारत यात्रा पर ताकि इस मुद्दे से ध्यान भटकाया जाय कांग्रेस को इसीलिए 50सीटो पर ही सिमट गई थे रामभक्त कभी नहीं मर सकता है यदि संसार से गया भी तो प्रभु के शरण में। अतः भगवान श्री राम के बारे में गलत बयान देना या उससे किनारा करना सनातन का अपमान है क्योंकि कांग्रेस अब राज्यों के पार्टियों पर निर्भर है अब तो समाजवादी पार्टी भी साथ आ गई है जिसने कार सेवकों पर गोली चलवा दी लेकिन भगवान राम का सेवक किसी पर निर्भर नहीं है सबके हैं और हर जगह हैं। इसे उसे समझना चाहिए क्योंकि ऐ पार्टी के हित में है पहले जो भी प्रधानमंत्री हुए उनका एक राजनैतिक कैरियर था कभी अपने को ऊँचा दिखाने के लिए बच्चों का सहारा नहीं लिया अपने कार्य व जनता का अपार स्नेह से बने या तो पहले मंत्री पद संभाला या राज्यों के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया इस पर शांति से सोचने की जरुरत है।

खबर संक्षेप

एयर इंडिया ने पांच नए संपर्क केंद्र किए शुरू

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने दुनिया भर में अपने ग्राहकों को सहायता प्रदान करने के लिए काहिरा और कुआलालंपुर सहित पांच स्थान पर नए संपर्क केंद्र खोले हैं। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने मुंबई, काहिरा और कुआलालंपुर में केंद्रों से कैलिफोर्निया मुख्यालय वाली ग्राहक सहभागिता कंपनी कॉन्सेंट्रिक्स के साथ साझेदारी की है।

डीएलएफ शॉपिंग मॉल पर 2200 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ ने अपनी विस्तार योजना के तहत करीब 2,200 करोड़ रुपये की लागत से गुरुग्राम में 26-27 लाख वर्ग फुट के शॉपिंग मॉल का निर्माण शुरू कर दिया है। डीएलएफ के पास वर्तमान में करीब 42 लाख वर्ग फुट का खुदरा क्षेत्र है। इसमें मुख्य रूप से दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मॉल तथा शॉपिंग सेंटर सहित नौ संपत्तियां शामिल हैं।

रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ 83.44 प्रति डॉलर

मुंबई। विश्व की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत होने तथा स्थानीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का दौर रहने के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 83.44 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों ने भी निवेशकों की कारोबारी धारणा को प्रभावित किया।

नेपाल ने भारतीय कंपनियों को किया निवेश के लिए आमंत्रित

नई दिल्ली। नेपाल ने भारतीय उद्यमों को वहां निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है। नेपाल की राजधानी काठमांडू में 28-29 अप्रैल को होने वाले नेपाल निवेशक सम्मेलन से पहले भारतीय उद्योगों को उद्यम लगाने के लिए आमंत्रित किया गया है। भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि नेपाल भारतीय कंपनियों के लिए स्वाभाविक रूप से पसंदीदा निवेश स्थल है।

एनसीएलएटी ने डेक्कन चार्टर्स पर लगाई रोक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) ने कैप्टन जीआर गोपीनाथ के डेक्कन चार्टर्स के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही पर 26 अप्रैल 2024 तक रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 26 अप्रैल 2024 को होनी है। याचिका को स्वीकार करते हुए कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने का निर्देश दिया था।

हेक्साकॉम का शेयर पहले दिन 43 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली। भारती समूह की कंपनी भारती हेक्साकॉम का शेयर शुक्रवार को 570 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले लगभग 43 प्रतिशत उछाल के साथ बंद हुआ। कंपनी का शेयर बीएसई पर निर्गम मूल्य से 32.49 प्रतिशत की उछाल के साथ 755.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 54.36 प्रतिशत चढ़कर 879.90 रुपये पर पहुंच गया था। कंपनी का शेयर 42.76 प्रतिशत चढ़कर 813.75 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर कंपनी का शेयर 32.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 755 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।

सोना 1,050 रुपए बढ़ 73,000 के पार, चांदी भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार चौथे कारोबारी सत्र रिकार्ड तेजी जारी रही। सोना 1,050 रुपये के उछाल के साथ 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, दिल्ली में सोने की कीमत 1,050 रुपए बढ़कर 73,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी प्रकार, चांदी की कीमत भी 1,400 रुपये के उछाल के साथ 86,300 रुपये प्रति किलोग्राम की नयी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई।

- सराफा की कीमतों में लगातार चौथे कारोबारी सत्र रिकॉर्ड तेजी जारी

वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातु में तेजी दर्ज की गई

सोना प्रति 73,350 रुपए प्रति 10 ग्राम पर

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख से संकेत लेते हुए दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 73,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की ताजा रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार कर रही थी, जो पिछले बंद भाव से 1,050 रुपये की बढ़त है।'

वायदा कारोबार में भी सोना तेज

पिछले सत्र में यह 28.05 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ था। इस बीच, एमसीएक्स के वायदा कारोबार में सोना दिन के कारोबार के दौरान 72,828 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सोने का सबसे ज्यादा कारोबार वाला जून अनुबंध का भाव 1,037 रुपये की तेजी के साथ 72,681 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

ईसीबी के संकेत का असर : सिंह ने कहा, 'जैसा कि अपेक्षित था, यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने मानक दरों को अपरिवर्तित रखा, लेकिन संकेत दिया कि वह जून में ब्याज दर में कटौती कर सकता है। मुद्रास्फीति कम होने पर बढ़ते विश्वास के कारण केंद्रीय बैंक छह जून को अपनी अगली नीतिगत बैठक में ब्याज दर में कटौती कर सकता है।'

पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव से सोने की मांग बढ़ी

पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव और सीरिया में अपने दूतावास पर इजरायली हमले के खिलाफ ईरान की जवाबी कार्रवाई की संभावना के बाद सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की मांग ने बहुमूल्य धातुओं में तेजी का समर्थन किया। इसके अलावा चांदी भी तेजी के साथ 28.95 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गयी।

आर्थिक आंकड़े प्रदान करेंगे दिशा : बीएनपी पारिबा बाय शेयरखान में फंडामेंटल करेंसी और कमोडिटीज के एसोसिएट वीपी, प्रवीण सिंह के अनुसार, ब्रिटेन और जर्मनी द्वारा घोषित किए जाने वाले आगामी वृहत आर्थिक आंकड़े और चीन के व्यापार आंकड़े सोने की कीमतों के लिए आगे की दिशा प्रदान करेंगे।

घरेलू स्तर पर मुनाफावसूली पर जोर

एक समय सेंसेक्स 845 अंक तक फिसल गया था

एशियाई बाजार का रुख कमजोर रहा

मुनाफावसूली से बाजार रिकॉर्ड स्तर से फिसला, सेंसेक्स 793 अंक गिरा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सेंसेक्स के 30 में से 27 शेयरों में गिरावट रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 234.40 अंक यानी 1.03 प्रतिशत गिरकर 22,519.40 अंक पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों के कमजोर रुख और घरेलू स्तर पर मुनाफावसूली का जोर रहने से शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स ने 793 अंक से अधिक का गोता लगा दिया। निफ्टी भी रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 793.25 अंक फिसलकर 74,244.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 848.84 अंक तक लुढ़का।

निफ्टी के 45 शेयरों में गिरावट

निफ्टी के 50 में से कुल 45 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट देखी गई। दूसरी तरफ, टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और नेस्ले के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

तनाव बढ़ने से तेल की कीमतों में तेजी

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिका में ब्याज दर में कटौती में देरी और पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से तेल की कीमतों में आई तेजी और चौथी तिमाही के कमजोर आय अनुमानों की चिंताओं के बीच भारतीय बाजारों में गिरावट का रुख रहा।'

निवेशकों को 2.52 लाख करोड़ का नुकसान

बीएसई सेंसेक्स में शुक्रवार को 793.25 अंकों की भारी गिरावट से निवेशकों के 2.52 लाख करोड़ रुपये डूब गए। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,52,301.16 करोड़ रुपये घटकर 3,99,67,051.91 करोड़ रुपये (4.79 लाख करोड़ डॉलर) रह गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि और रुपये की गिरावट ने भी धारणा को कमजोर किया।

औद्योगिक उत्पादन फरवरी में 5.7 प्रतिशत बढ़ा

देश का औद्योगिक उत्पादन फरवरी 2024 में सालाना आधार पर 5.7 प्रतिशत बढ़ा। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन फरवरी 2023 में छह प्रतिशत बढ़ा था। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि फरवरी 2024 में भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 5.7 प्रतिशत बढ़ा।

खुदरा मुद्रास्फीति पांच महीनों के निचले स्तर पर

खाद्य उत्पादों की कीमतों में नरमी आने से मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीनों के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 5.09 प्रतिशत थी जबकि मार्च, 2023 में यह 5.66 प्रतिशत पर रही थी।

खाद्य उत्पादों की महंगाई घटी

मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति पांच महीनों के निचले स्तर पर रही है। इसके पहले अक्टूबर, 2023 में यह 4.87 प्रतिशत रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में खाद्य उत्पादों की महंगाई दर 8.52 प्रतिशत रही जबकि एक महीने पहले फरवरी में यह 8.66 प्रतिशत थी।

9% उछाल के साथ 12434 करोड़ रुपए रहा टीसीएस का मुनाफा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस ने तिमाही नतीजे घोषित कर दिए हैं। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही जनवरी से मार्च की अवधि के दौरान टीसीएस का मुनाफा 9 फीसदी के उछाल के साथ 12,434 करोड़ रुपये रहा है। इससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में कंपनी को 11,392 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। टीसीएस ने अपने शेयरधारकों को 28 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने की भी घोषणा की है।

टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज ने नतीजों का एलान करते हुए बताया कि चौथी तिमाही के दौरान ऑपरेशंस से रेवेन्यू 3.5 फीसदी के उछाल के साथ 61,327 करोड़ रुपये रहा है। टीसीएस ने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 13.2 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड डील्स हासिल किया है और इसी के साथ वित्त वर्ष के दौरान कुल कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू 42.7 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है जो कि ऐतिहासिक उच्च स्तर है। टीसीएस के सीईओ और एमडी के कृतिवासन ने नतीजों पर कमेंट करते हुए कहा, वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक के सबसे उच्च स्तर पर आर्डर बुक क्लोज करने पर हमें बेहद प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने बताया कि ऑपरेटिंग मार्जिन में 26 फीसदी का उछाल आया है जो कि हमारे बिजनेस मॉडल और उसे पूरा करने में हमारी दक्षता को दर्शाता है।

- 28 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का एलान

टीसीएस ने बढ़ाया वेतन

टीसीएस ने अपने कर्मचारियों के वेतन बढ़ोतरी की भी घोषणा की है। सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वालों को डबल डिजिट सैलेरी हाइक दिया गया है। जनवरी मार्च तिमाही में कर्मचारियों के कंपनी छोड़कर जाने वालों की संख्या में कमी आई है। एट्रीशन रेट घटकर 12.5 फीसदी पर आ गया है जो इसके पहले तिमाही में 13.3 फीसदी रहा था।

- आभूषण की मांग में 15 से 20 फीसदी की कमी आई

मूल्य वृद्धि ने आभूषणों की मांग कम की है : सेनको गोल्ड

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

प्रमुख खुदरा आभूषण विक्रेता कंपनी सेनको गोल्ड लि. ने शुक्रवार को कहा कि भू-राजनीतिक कारणों से सोने की कीमतों में हालिया तेज उछाल ने इसकी मांग को कम कर दिया है। वहीं उद्योग का पहली तिमाही का प्रदर्शन, उत्सव और नये साल के मौके पर जारी खरीदारी के रुख पर निर्भर करता है।

कोलकाता की कंपनी ने कहा कि उसने हीरे जड़ित सोने के आभूषणों और उपभोक्ता-केंद्रित योजनाओं के जरिये मांग की स्थिति से निपटने के लिए कई उपाय किए हैं। हालांकि, कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ये उपाए मार्च और अप्रैल में बिक्री की मात्रा के मामले में देखी गई 15-20 प्रतिशत की गिरावट की भरपाई नहीं कर सकते हैं। सेनको गोल्ड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुवेंकर सेन ने कहा, ''पिछले 30 दिनों में, सोने की कीमत लगभग 10 प्रतिशत बढ़ी है और पिछले छह महीनों में यह 23-25 प्रतिशत महंगा हो गया है। इस तीव्र उतार चढ़ाव ने खुदरा खरीद भावना को प्रभावित किया है।

- भू-राजनीतिक कारणों से सोने में आई तेजी

एचएफसीएल को फाइबर केबल आपूर्ति का ऑर्डर

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली घरेलू कंपनी एचएफसीएल की अनुषंगी इकाई एचटीएल को एक निजी दूरसंचार परिचालक से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति का ऑर्डर मिला है। एचएफसीएल ने शुक्रवार शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि ऑर्डर 65 करोड़ रुपये का है। उसे यह ऑर्डर जुलाई तक पूरा करना है। कंपनी ने कहा, 'कंपनी को अपनी अनुषंगी एचटीएल लिमिटेड के साथ देश की एक अग्रणी निजी दूरसंचार परिचालक से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए लगभग 64.93 करोड़ रुपये के खरीद ऑर्डर मिले हैं।'

अदाणी समूह का सीमेंट बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गौतम अदाणी की अगुवाई वाले अडाणी समूह ने वित्त वर्ष 2027-28 तक भारतीय सीमेंट बाजार में लगभग 20 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। समूह के पास अंबुजा सीमेंट और एसीसी लिमिटेड का स्वामित्व है। अंबुजा सीमेंट ने एक निवेशक प्रस्तुति में कहा कि अदाणी सीमेंट कारोबार आंतरिक संसाधनों के जरिए अपने त्वरित पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को लागू करेगा और कर्ज मुक्त रहेगा। इसके अलावा अदाणी समूह सीमेंट क्षमता विस्तार की रफ्तार भी बढ़ा रहा है और 16 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ इसके वित्त वर्ष 2027-28 तक 14 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुंचने की उम्मीद है। अदाणी समूह की कंपनी ने कहा, 'अदाणी सीमेंट की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2027-28 तक मौजूदा 14 फीसदी से बढ़कर 20 फीसदी होने का लक्ष्य है। इस समय अदाणी सीमेंट, आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट के बाद इस क्षेत्र की दूसरी अग्रणी कंपनी है।

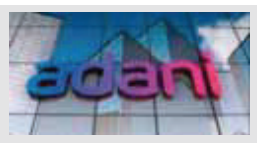

- समूह ने वित्त वर्ष 2027-28 तक के लिए किया लक्ष्य निर्धारित
- समूह के पास अंबुजा और एसीसी लिमिटेड का स्वामित्व है

अदाणी के पास 800 करोड़ टन चूना पत्थर का भंडार

अदाणी सीमेंट ने कहा कि उसके पास कुल 800 करोड़ टन का चूना पत्थर का भंडार है, जो सीमेंट उद्योग के लिए एक प्रमुख कच्चा माल है। इसके अलावा उसकी फ्लाई ऐश मांग का 40 प्रतिशत हिस्सा दीर्घकालिक व्यवस्था के तहत उपलब्ध है और यह आंकड़ा 2028 तक बढ़कर 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा।

यात्री वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड 42 लाख के पार : सियाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 42,18,746 इकाई हो गई। उद्योग संगठन सियाम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2022-23 में कुल यात्री वाहन आपूर्ति 38,90,114 इकाई रही थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.3 प्रतिशत बढ़कर 1,79,74,365 इकाई रही, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 1,58,62,771 इकाई थी।

समीक्षाधीन अवधि में सभी श्रेणियों में वाहन बिक्री 12.5 प्रतिशत बढ़कर 2,38,53,463 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2022-23 में 2,12,04,846 इकाई थी। हालांकि, पिछले वित्त वर्ष में निर्यात 5.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 45,00,492 इकाई रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 47,61,299 इकाई था। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने यहां कहा, 'भारत सरकार की अनुकूल नीतियों के साथ 7.6 प्रतिशत की मजबूत आर्थिक वृद्धि की पृष्ठभूमि में भारतीय वाहन उद्योग ने पिछले वित्त वर्ष में घरेलू उद्योग में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ संतोषजनक प्रदर्शन किया है।'

अग्रवाल ने कहा कि वृद्धि का नेतृत्व यात्री वाहन (पीवी) खंड ने किया, जिसका बिक्री आंकड़ा करीब 50 लाख इकाइयों को छू गया। इसमें 42 लाख इकाइयों की घरेलू बिक्री और सात लाख इकाइयों का निर्यात शामिल है।

- वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 8 .4 फीसदी बढ़ी
- दोपहिया वाहनों की बिक्री 13 .3 फीसदी बढ़कर 1,79,74,365 इकाई

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पूरी तरह पटरी पर नहीं आई

अब भी वित्त वर्ष 2018-19 में 2.1 करोड़ इकाइयों के रिकॉर्ड से कम है। उन्होंने कहा कि यात्री कार और दोपहिया वाहन खंड के कम दाम के वाहनों की श्रेणियों को अब भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पूरी तरह से पटरी पर नहीं आई है।

ओमेगा सेकी ने इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर किया पेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता ओमेगा सेकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर 'स्ट्रीम सिटी क्यूक' शुक्रवार को पेश किया। इसे 15 मिनट में चार्ज किया जा सकता है। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वाहन की कीमत 3,24,999 रुपये (एक्स-शोरूम) है। यह दो लाख किलोमीटर या पांच साल की वारंटी (जो भी पहले हो) के साथ आता है। इसमें 8.8 किलोवॉट आवर का बैटरी पैक है। ओमेगा सेकी मोबिलिटी के संस्थापक एवं चेयरमैन उदय नारंग ने कहा कि कंपनी उम्मीद कर रही है कि इस वित्त वर्ष में वाहन बिक्री में बढ़ोतरी से कर पूर्व आय (एबिट्डा) सकारात्मक हो जाएगी। ओमेगा सेकी इलेक्ट्रिक वाहन खंड में एक अग्रणी कंपनी है और एक्सपोनेंट एनर्जी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विभिन्न चार्जिंग सुविधाएं प्रदान करती है।

- वाहन की कीमत 3,24,999 रुपये (एक्स-शोरूम), इसमें 8 .8 किलोवॉट आवर का है बैटरी पैक

संपत्ति परामर्श एजेंसी नाइट फ्रैंक व सीआईआई ने जारी की रिपोर्ट

भारतीय रियल एस्टेट बाजार नौ साल में 73 फीसदी बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियों की बेहतर मांग और उच्च आर्थिक वृद्धि की वजह से भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार वर्ष 2015 से 73 प्रतिशत उछलकर 482 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली नाइट फ्रैंक और उद्योग मंडल सीआईआई की तरफ से शुक्रवार को संयुक्त रूप से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रियल एस्टेट बाजार वर्ष 2034 तक करीब तिगुना होकर 1,487 अरब डॉलर का हो जाएगा।

- बाजार का आकार 2015 से बढ़कर 482 अरब डॉलर हो चुका

कुल आर्थिक उत्पादन का 7.3 फीसदी

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार वर्ष 2015 में 279 अरब डॉलर था और वर्ष 2024 में बढ़कर 482 अरब डॉलर हो चुका है जो कुल आर्थिक उत्पादन का 7.3 प्रतिशत है। बढ़ती अर्थव्यवस्था के समर्थन से देश में रियल एस्टेट क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

कुल रोजगार का 18 फीसदी इस सेक्टर से

भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का लगभग 250 सहायक उद्योगों से किसी-न-किसी तरह का संबंध है। सलाहकार फर्म ने कहा कि यह कृषि क्षेत्र के बाद सबसे अधिक रोजगार पैदा करने वालों में से एक है, जो कुल रोजगार का 18 प्रतिशत है।

2034 में बाजार 906 अरब डॉलर का होगा

नाइट फ्रैंक इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक गुलाम जिया ने कहा, आने वाले दशक में भारत की आर्थिक उन्नति में अभूतपूर्व उछाल आएगा, जिसमें रियल एस्टेट क्षेत्र आधारशिला बनने के लिए तैयार है। वर्ष 2034 में आवासीय बाजार 906 अरब डॉलर मूल्य का हो जाने की उम्मीद है।

आर्थिक उत्पादन में 10.5 फीसदी का योगदान

सीआईआई-नाइट फ्रैंक इंडिया रिपोर्ट का अनुमान है कि 2034 तक भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का विस्तार 1.5 लाख करोड़ डॉलर तक होने की उम्मीद है, जो कुल आर्थिक उत्पादन में 10.5 प्रतिशत का योगदान देगा।

बाजार वृद्धि के लिए बढ़ती आवासीय मांग

सलाहकार कंपनी ने रियल एस्टेट क्षेत्र के बाजार आकार में वृद्धि के लिए बढ़ती आवासीय मांग, कार्यालय स्थल की जरूरत में वृद्धि, होटल और खुदरा क्षेत्र के विस्तार को जिम्मेदार ठहराया है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	5	4	1	8
कोलकाता	4	3	1	6
चेन्नई	5	3	2	6
लखनऊ	5	3	2	6
हैदराबाद	5	3	2	6
गुजरात	6	3	3	6
मुंबई	5	2	3	4
पंजाब	5	2	3	4
दिल्ली	6	2	4	4
बेंगलोर	6	1	5	2

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
319 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
10 विकेट
मुंबई

खबर संक्षेप

ओलंपिक में जाने से रोक रहे डब्लूएफआई अध्यक्ष

नई दिल्ली। पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ उनके सहयोगी स्टाफ को मान्यता पत्र जारी नहीं करके उन्हें हर हालत में ओलंपिक खेलने से रोकना चाहता है जबकि महासंघ का दावा है कि समय सीमा खत्म होने के बाद उसने आवेदन किया था। विनेश ने अपने खिलाफ डोपिंग की साजिश रचे जाने की भी आशंका जताई। 29 वर्ष की विनेश ने 2019 और 2022 विश्व चैंपियनशिप में 53 किलो में कांस्य और 2018 एशियाई खेलों में 50 किलो में स्वर्ण पदक जीता था। वह अगले सप्ताह किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाले एशियाई क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के जरिये 50 किलो में ओलंपिक कोटा हासिल करना चाहती है। पटियाला में चयन ट्रायल में उन्होंने 53 किलो में भी भाग लिया था लेकिन सेमीफाइनल में हार गई थी।

पंड्या को प्रशंसक जल्दी ही चाहने लगेंगे : किशन

मुंबई। आईपीएल के इस सत्र में भले ही हार्दिक पंड्या दर्शकों का कोपभाजन बन रहे हों लेकिन ईशान किशन को यकीन है कि मुंबई इंडियंस के कप्तान को उनका दिल जीतने की चुनौती मे मजा आ रहा है। आईपीएल का मौजूदा सत्र शुरू होने से पहले रोहित शर्मा की जगह मुंबई के कप्तान बने पंड्या की स्टेडियम के भीतर लगातार हूटिंग हो रही है। आरसीबी के खिलाफ गुरुवार को खेले गए मैच में भी यही आलम था लेकिन वानखेड़े स्टेडियम पर दर्शकों का एक छोटा समूह उनकी हौसलाअफजाई करता दिखा जिन्हें विराट कोहली से भी प्रोत्साहन मिला।

साथियान और मनिका की जोड़ी ओलंपिक क्वालिफिकेशन में हारी

नई दिल्ली। जी साथियान और मनिका बत्रा की भारतीय जोड़ी शुक्रवार को चेक गणराज्य के हाविरोव में विश्व मिश्रित युगल ओलंपिक क्वालीफिकेशन टेबल टेनिस टूर्नामेंट (चरण दो) के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के चूंग जावेन और लिन करेन की जोड़ी से हार गई। मलेशिया की जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को 4-1 (11-9, 11-9, 11-9, 7-11, 11-8) से शिकस्त दी। भारतीय जोड़ी को ओलंपिक टिकट पक्का करने के लिए चरण दो में तीन मैच जीतने की जरूरत थी। टीम को शुरुआती मुकाबले में बाई मिली थी। नॉकआउट तीन' में शामिल भारतीय जोड़ी जावेन और करेन के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में विफल रही।

गोकुलम ने ट्राउ एफसी को हराकर विदा ली

कोझिकोड। गोकुलम केरला ने ट्राउ एफसी को 6-1 से हराकर शानदार जीत के साथ आई लीग फुटबॉल से विदा ली। ट्राउ एफसी पहले ही निचले दर्जे में खिसक चुकी है। इस जीत के साथ गोकुलम केरला तालिका में तीसरे स्थान पर है। अगर रीयल कश्मीर शनिवार को नामधारी को नहीं करा पाती है तो गोकुलम तीसरे स्थान पर ही रहेगा।

बेहतर रणनीति के साथ उतरेगी राजस्थान, पंजाब किंग्स में उलटफेर करने का जुनून

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

पिछले मैच में जीत की दहलीज पर पहुंचकर हारी राजस्थान रॉयल्स को शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ रणनीति पर बेहतर अमल करना होगा क्योंकि मेजबान टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद बेहद सक्षम है।

रॉयल्स के पास लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने का सुनहरा मौका था लेकिन राशिद खान की शानदार गेंदबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने बुधवार को आखिरी गेंद पर जीत दर्ज की। रॉयल्स के लिए अपने गढ़ जयपुर में हारना किसी झटके से कम नहीं था। वे इसे भुलाकर अब जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेंगे।

बोल्ट को गेंद न देकर की बड़ी चूक

संजू सैमसन की कप्तानी वाली रॉयल्स के गेंदबाज कुलदीप सेन (19वां ओवर) और आवेश खान (20वां ओवर) ने 12 गेंदों के भीतर 35 रन दे डाले। सैमसन ने ट्रेंट बोल्ट से चार ओवर का कोटा पूरा नहीं कराके बड़ी चूक की जबकि बोल्ट ने दो ओवर में सिर्फ आठ रन दिए थे। दबाव के क्षणों में उनका अनुभव काफी काम आता।

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान।

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व टाइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कैगिसो रबाडा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया , विद्धथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

गुमनाम बल्लेबाज शशांक और अभिषेक बटोर रहे रन

शिखर धवन की कप्तानी वाली पंजाब टीम ने पांच में से दो मैच जीते और तीन गंवाए हैं। उसके धाकड़ बल्लेबाज चल नहीं पा रहे और शशांक सिंह तथा अभिषेक शर्मा जैसे गुमनाम बल्लेबाजों पर रन बनाने की सारी जिम्मेदारी आ गई है। सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो (पांच मैचों में 81 रन) और मध्यक्रम के बल्लेबाज जितेश शर्मा (पांच मैचों में 77 रन) अपेक्षा के अनुरुप नहीं खेल पाए हैं जिससे टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल सकी। सैम कुरेन गेंदबाजी में औसत रहे हैं और बल्ले से भी अपनी क्षमता के साथ न्याय नहीं कर पाये हैं। मध्यक्रम में टीम को चोटिल लियाम लिविंगस्टोन की कमी खल रही है। पंजाब के गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहतर रहा है लेकिन पहले गेंदबाजी करने पर उन्होंने काफी रन लुटाए हैं। पिछले तीन मैचों में पंजाब के खिलाफ विरोधी टीम ने 199, 199 और 182 रन बनाए हैं जबकि कैगिसो रबाडा और अर्शदीप सिंह जैसे गेंदबाज टीम में हैं।

कुलदीप को 3 विकेट, कैपिटल्स की छह मैचों में दूसरी जीत

मैकगुर्क और पंत की आतिशी पारी से दिल्ली ने एलएसजी को हराया

भाषा ▶▶|लखनऊ

कुलदीप यादव (चार ओवर में 20 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जैक फ्रेजर मैकगुर्क (35 गेंद में 55 रन) और कप्तान ऋषभ पंत (24 गेंद में 41 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में शुक्रवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को छह विकेट से हराकर छह मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। पंत और आईपीएल पदार्पण कर रहे मैकगुर्क ने तीसरे विकेट के लिए 46 गेंद में 77 रन की साझेदारी की जिसमें पंत ने चार चौके और दो छक्के लगाये। ऑस्ट्रेलिया के 22 साल के मैकगुर्क ने अपनी पारी में दो चौके और पांच छक्के जड़े। एलएसजी की टीम को सात विकेट पर 167 रन रन पर रोकने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने 18.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। लखनऊ के लिए रवि बिश्नोई ने दो जबकि नवीन उल हक और यश ठाकुर ने एक-एक विकेट लिया। आयुष बडोनी (नाबाद 55) की नाबाद अर्धशतकीय पारी और आठवें विकेट के लिए अरशद खान (नाबाद 20) के साथ 42 गेंद में 73 रन की अटूट साझेदारी से एलएसजी ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बडोनी और अरशद की यह साझेदारी आईपीएल इतिहास में आठवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। 'प्लेयर ऑफ द मैच' कुलदीप की शानदार गेंदबाजी के सामने लखनऊ की टीम 13 ओवर के बाद 94 रन पर सात विकेट गवांकर संघर्ष कर रही थी लेकिन बडोनी ने 35 गेंद की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया।

कुलदीप ने लोकेश राहुल (39), मार्कस स्टोइनिस (आठ) और निकोल्स पूरन (शून्य) के अहम विकेट चटकाकर लखनऊ को बड़े झटके दिये। खलील अहमद को दो सफलता मिली जबकि इशांत शर्मा और मुकेश कुमार ने एक-एक विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करते हुए डेविड वार्नर (छह रन) ने पहले ओवर में अरशद के खिलाफ चौका लगाया तो वहीं और पृथ्वी साव (32 रन) ने नवीन उल हक के खिलाफ दो चौके लगाये। यश ठाकुर ने चौथे ओवर में वार्नर को बोल्ड किया लेकिन मैकगुर्क ने छक्का जड़ खाता खोला। उन्होंने इसके बाद अरशद खान की गेंद को दर्शकों के पास भेजा। साव ने छठे ओवर में कृणाल पंड्या की लगातार गेंदों पर चौके लगाये जिससे पावर प्ले में दिल्ली का स्कोर एक विकेट पर 62 रन हो गया। सातवें ओवर में गेंदबाजी के लिए रवि बिश्नोई की गेंद पर पूरन ने साव का शानदार कैच लपका। साव ने 22 गेंद की पारी में छह चौके लगाये।

लखनऊ-167/7 (20)

खिलाड़ी	रन
डिकॉक पगबाधा खलील	19
लोकेश का पंत बो कुलदीप	39
देवदत्त पगबाधा खलील	03
मार्कस का इशांत बो कुलदीप	08
निकोल्स पूरन बो कुलदीप	00
दीपक हुड्डा का वार्नर बो इशांत	10
आयुष बडोनी नाबाद	55
कृणाल पंड्या का पंत बो मुकेश	03
अरशद खान नाबाद	20
अतिरिक्तः	10
कुल योगः (20 ओवर में सात विकेट पर)	167 रन
विकेट पतनः	1-28, 2-41, 3-66, 4-66, 5-77, 6-89, 7-94
गेंदबाजीः	खलील 4-0-41-2, इशांत 4-0-36-1, मुकेश 4-0-41-1, अक्षर 4-0-26-0, कुलदीप 4-0-20-3

दिल्ली-170/4 (18.1)

खिलाड़ी	रन
पृथ्वी साव का पूरन बो बिश्नोई	32
डेविड वार्नर बो ठाकुर	08
मैकगुर्क का अरशद बो नवीन	55
ऋषभ पंत स्टं. राहुल बो बिश्नोइ	41
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	15
शाई होप नाबाद	11
अतिरिक्तः	08
कुल योगः (18.1 ओवर में चार विकेट पर)	170 रन
विकेट पतनः	1-24, 2-63, 3-140, 4-146
गेंदबाजीः	अरशद 3.1-0-34-0, नवीन 3-0-24-1, यश ठाकुर 4-0-31-1, कृणाल 3-0-45-0, बिश्नोई 4-0-25-2, स्टोइनिस 1-0-10-0

खास खबर

मोंटे कार्लो मास्टर्स सेमीफाइनल में पहुंचे सिटसिपास, जीते जोकोविच

मोनाको। दो बार के चैंपियन स्टेफानोस सिटसिपास ने रूस के कारेन खाचानोव को 6-4, 6-2 से हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना यानिक सिनेर या होल्गर रूने से होगा। वहीं दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच की भिड़ंत एलेक्स डि मिनौर से होगी जबकि उगो हुम्बर्ट का सामना कैस्पर रूड से होगा। जोकोविच ने लोरेंजो मुसेत्ती से मिली पिछली हार का बदला चुकता करते हुए उन्हें हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार के चैंपियन जोकोविच को पिछले साल तीसरे दौर में मुसेत्ती ने हराया था। उन्होंने छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट तब्दील करके 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। जोकोविच ने यहां 2013 और 2015 में खिताब जीता है लेकिन उसके बाद से क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके। दूसरी रैंकिंग वाले यानिक सिनेर ने जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना होल्गर रूने से होगा जिसने ग्रिगोर दिमित्रोव को 7-6, 3-6, 7-6 से हराया।

निजी कारणों से पेरिस ओलंपिक में अभियान प्रमुख पद से हटीं मैरी कॉम

नई दिल्ली। छह बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम शुक्रवार को आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के अभियान प्रमुख के पद से हट गई है। उन्होंने कहा कि निजी कारणों से उनके पास अब कोई विकल्प नहीं है। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा ने कहा कि मैरी कॉम ने उन्हें पत्र लिखकर इस जिम्मेदारी से फारिग करने के लिए कहा है। मैरी कॉम ने उषा को लिखे पत्र में कहा, 'देश की किसी भी रूप में सेवा करना फख्र की बात है और मैं इसके लिए मानसिक रूप से तैयार थी। लेकिन मुझे खेद है कि मैं यह जिम्मेदारी नहीं उठा सकूंगी। मैं निजी कारणों से पीछे हट रही हूं। इस तरह से पीछे हटने से शर्मिंदा हूं क्योंकि मैं ऐसा करती नहीं हूं लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। मैं ओलंपिक खेलों में भाग ले रहे अपने खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई के लिए हमेशा रहूंगी।' आईओए ने 21 मार्च को उनकी नियुक्ति का ऐलान किया था।

एशियाई चैंपियनशिपः आकाश व अनिरुद्ध कांस्य पदक का मैच हारे

एजेंसी ▶▶| बिश्केक

भारतीय पहलवान आकाश दहिया और अनिरुद्ध कुमार को एशियाई चैंपियनशिप के कांस्य पदक मुकाबले में शुक्रवार को हार का सामना करना पड़ा जिससे पुरुष फ्री-स्टाइल वर्ग के आखिरी दिन भारत को एक भी पदक नहीं मिला। इससे पहले तीन अन्य पहलवान शुरुआती चरण में हार कर बाहर हो गये थे। गैर-ओलंपिक 61 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे आकाश ने उज्बेकिस्तान के सरदार रुजिमोव पर 10-8 की करीबी जीत के साथ शुरुआत की और इसके बाद क्वार्टर फाइनल में कोरिया के सांघयोन सोन को 7-3 से आसानी से हराया। वह सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के असिल एतकिन की चुनौती से पार नहीं पा सके और तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर अपना मुकाबला हार गए। कांस्य पदक के मैच में उन्होंने मंगोलिया के एनखबोल्ड एनखबाट को कड़ी टक्कर देने की कोशिश की लेकिन तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गये। अनिरुद्ध कुमार 125 किग्रा

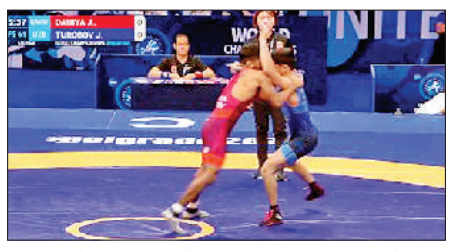

भार वर्ग में पाकिस्तान के जमान अनवर पर 3-0 से जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन क्वार्टर फाइनल में ईरान के अमीर हुसैन अब्बास जारे से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए। ईरान के पहलवान के फाइनल में पहुंचने के कारण अनिरुद्ध के लिए कांस्य पदक का दरवाजा खुल गया। अनिरुद्ध को कांस्य पदक मैच में बहरीन के शमील मैगोमेद ए शारिपोव ने चित्त कर दिया। यश तुशिर (74 किग्रा) अपने रेपेचेज चरण में कजाकिस्तान के सिरबाज तलगट से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

ओसाका की जीत से जापान बिली जीन किंग कप के क्वालीफायर्स में मजबूत स्थिति में

तोक्यो। नाओमी ओसाका ने शुक्रवार को कजाकिस्तान की यूलिया पुतिनत्सेवा पर 6-2, 7-6 की जीत से जापान को बिली जीन किंग कप फाइनल में पहुंचने के करीबी ला दिया है। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन की जीत के बाद तोक्यो में नाओ हिबिनो ने अन्ना डेनिलिना पर 6-1, 6-0 से जीत दर्ज की और जापान की बढ़त को 2-0 कर दिया। जापान के अलावा शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिस्बेन में मैक्सिको पर 2-0 की बढ़त ले ली। नवंबर में होने वाले फाइनल में पहुंचने के लिए जापान और ऑस्ट्रेलिया को शनिवार के उलट एकय या युगल मैच में जीत की जरूरत है। इसके फाइनल का आयोजन स्पेन के सेविला में नवंबर में होगा जिसमें क्वालीफायर के आठ विजेता गत चैंपियन कनाडा, उपविजेता इटली, मेजबान देश स्पेन और एक वाइल्ड कार्ड टीम शामिल होगी।

बिली जीन किंग कप : भारत ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने चीन के चांग्शा में बिली जीन किंग कप के एशिया ओशिनिया ग्रुप-एक मुकाबले में शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर अपनी तीसरी जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारत पूल ए में तीन जीत और एक हार के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। विश्व रैंकिंग में 379वें स्थान पर काबिज रुतुजा भोसले ने सोह्युन पार्क के खिलाफ 6-2, 6-2 से आसान जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

अंकिता रैना भारत की बढ़त को मजबूत करने में नाकाम रही।

सुजेओंग जांग के खिलाफ उनकी 2-6, 3-6 से हार से कोरिया ने मुकाबले में वापसी की। अंकिता ने हालांकि युगल मुकाबले में सुधार किया। अंकिता और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी ने पार्क और डेबिन किम की कोरियाई जोड़ी को एक घंटे और 33 मिनट तक चले मैच में 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से दर्ज की जीत

भारतीय हॉकी टीम की लगातार चौथी हार

एजेंसी ▶▶|पर्थ

ऑस्ट्रेलिया के अहम दौरे पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है जहां पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच में उसे 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ ही श्रृंखला में अपनी बढ़त को 4-0 कर लिया। मैच का परिणाम भारतीयों के पक्ष में नहीं रहा लेकिन टीम के प्रदर्शन के स्तर में काफी सुधार दिखा। मेजबान टीम हालांकि हर मामले में भारत से बेहतर साबित हुई। आकाशीय बिजली के कारण 40 मिनट देर से शुरू हुए मैच में सभी चार गोल

पेनल्टी कॉर्नर से आए। भारत ने 12वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह की बदौलत बढ़त बना ली, लेकिन जेरेमी हेवर्ड (19वें, 47वें) और जैक वेल्च (54वें) के गोल ने ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में लगातार चौथी जीत दिला दी। भारत शुरुआती टेस्ट में 1-5 से हार गया था, जबकि दूसरा और तीसरा टेस्ट क्रमशः 2-4 और 1-2 से हार गया था। श्रृंखला का आखिरी टेस्ट शनिवार को खेला जाएगा। एक गोल से पिछड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में जोरदार वापसी की। मैच के 19नें मिनट में हेवर्ड ने टीम को पांचवें पेनल्टी कॉर्नर पर बढ़त दिला दी।

इसके तुरंत बाद भारत के पास बढ़त बनाने का मौका था लेकिन राजकुमार पाल का रिवर्स हिट गोलपोस्ट से टकराकर दूर चला गया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके कुछ समय के बाद छठा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन रिजर्व गोलकीपर सूरज करकेरा ने कमाल का बचाव किया। शुरुआती हाफ में मुकाबला बराबरी का रहा लेकिन मध्यांतर के बाद ऑस्ट्रेलिया ने मैच पर दबदबा बनाना शुरू कर दिया।

भारत को बढ़त

मैच का शुरुआती क्वार्टर काफी प्रतिस्पर्धी रहा जहां दोनों टीमों ने एक दूसरे के खिलाफ गोल के कई मौके बनाए। मनदीप सिंह ने पहले मिनट में ही भारत के लिए मौका बनाया। हरमनप्रीत सिंह के पास पर सर्कल के पास से किए गए उनके प्रहार को ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर ने बचा लिया। ऑस्ट्रेलिया ने जवाबी हमला करते हुए दूसरे मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन अनुभवी भारत के गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार बचाव से उनका दोनों प्रयास विफल हो गया। भारत ने 12वें मिनट में हरमनप्रीत के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय कप्तान ने टीम के दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर गोलकीपर के बायीं ओर से जोरदार फ्लिक से गोल किया।

कैंडिडेट्स शतरंज : गुकेश हारे आर प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला

एजेंसी ▶▶| टोरंटो

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश फ्रांस के फिरोजा अलीरजा के हाथों पहली हार के बाद कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर के बाद शीर्ष स्थान से खिसक गए। आर प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के फेबियानो कारुआना से ड्रॉ खेला। इस हार के बाद 17 वर्ष के गुकेश अब कारुआना और प्रज्ञानानंदा के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि के 4.5 अंक हैं और उन्होंने अमेरिका के हिकारू नकामूरा से ड्रॉ खेलकर आधा अंक से बढ़त बना ली है। निजात अबासोव के साथ ड्रॉ के बाद विदित गुजराती संयुक्त पांचवें स्थान पर नकामूरा के साथ है जबकि

अलीरजा सातवें स्थान पर हैं। अबासोव दो अंक लेकर आखिरी स्थान पर हैं। महिला वर्ग में आर वैशाली को तीसरी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें चीन की तिंगजी लेइ ने हराया जबकि बाकी तीनों मुकाबले ड्रॉ पर छूटे। अन्ना मुजिचुक ने भारत की कोनेरू हम्पी को ड्रॉ पर रोका। हम्पी और वैशाली के 2.5 अंक हैं और उन्हें अब वापसी के लिए दूसरे हाफ में चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा।

क्यूबा में सैन्य हेलीकाप्टर क्रैस, 3 लोगों की मौत

हवाना । क्यूबा के पूर्वी शहर सेंटियागो में गुरुवार को सेना का एक हेलीकाप्टर क्रैस होने से चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गयी। सशस्त्र बलों के मंत्रालय (मिनफर) ने यह जानकारी दी है। मिरफर ने एक बयान में कहा कि यह दुर्घटना हवाना से लगभग 860 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित देश के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले शहर के एक हवाईअड्डे पर हुई है। बयान में कहा गया कि इस समय रिवोल्यूशनरी सशस्त्र बलों की एक समिति दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में ईद पर सिंधु नदी में नाव पलटी, 11 को बचाया

इस्लामाबाद। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को सिंधु नदी में नाव पलटने से ईद मना रहे कम से कम 15 लोग डूब गए। बचाव अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने 11 लोगों को जिंदा बचा लिया और लापता चार लोगों की तलाश जारी है। नौशेरा, स्वाबी और मर्दन की बचाव टीमें तलाशी अभियान में भाग ले रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह त्रासदी नौशेरा जिले के कुंड पार्क क्षेत्र में हुई जहां ईद का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए लोग खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांतों के संगम पर नदी में डूब गए थे। राज्यपाल गुलाम अली और मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। वहीं पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गुरुवार को गरीबी से परेशान एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और सात नाबालिग बच्चों की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। पेशे से मजदूर सज्जाद खोखर ने 350 किलोमीटर दूर मुजफ्फरगढ़ जिले के अलीपुर में अपनी 42 वर्षीय पत्नी कौसर और 7 बच्चों पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अमेरिकन व्यक्ति ने लगाए 24 घंटे में 26 हज़ार स्क्वॉट्स

-टोनी पिराइनो ने तोड़ा आइलैंड के जो रेवेर्डेस का वर्ल्ड रिकॉर्ड

वाशिंगटन। दुनिया में तरह तरह के लोग हैं जो मशहूर होने के लिए नए नए तरीके आजमाते हैं। कुछ लोग ऐसे भी जो सोशल मीडिया पर रील बनाकर मशहूर होने पर गर्व महसूस करते हैं तो कुछ ऐसा करना चाहते हैं जो गिनीज बुक में अपना नाम लिखवाना चाहते हैं। ऐसे ही एक व्यक्ति ने 24 घंटे में 26 हज़ार उठक-बैठक लगाकर सभी को चौंका दिया और उसका नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड की सूची में दर्ज होना बाकी है। अगर आप जिम जाते हैं, तो स्क्वॉट्स यानी उठक-बैठक के बारे में आपको अच्छी तरह से पता होगा। इस टफ एक्सरसाइज़ के 30 रेप्स भी भारी पड़ जाते हैं और इंसान की सांस फूलने लगती है लेकिन एक ऐसा भी व्यक्ति है जिसने 24 घंटे के अंदर 26 हज़ार स्क्वॉट्स वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। इस अमेरिकन शख्स का यह रिकॉर्ड चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिका में रहने वाले टोनी पिराइनो नाम के इस व्यक्ति ने ये कमाल कर दिखाया है। उसने 5 अप्रैल को सुबह 5 बजे से 6 अप्रैल सुबह 5 बजे तक लगातार स्क्वॉट्स (उठक-बैठक) लगाए उसने 24 घंटे के अंदर कुल 26,100 उठक-बैठक करके रिकॉर्ड बना दिया। इससे पहले रोड आइलैंड के रहने वाले जो रेवेर्डेस के नाम पर 25000 स्क्वॉट्स का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज था लेकिन टोनी ने इसे तोड़ दिया है। वे हर 22 स्क्वॉट्स के बाद 30 सेकंड रुकते और फिर शुरू हो जाते थे। उन्होंने कुछ ब्रेक्स थोड़े लंबे भी लिए और एनर्जी ड्रिंक्स और स्नैक्स खाकर खुद को चार्ज करते रहे। हालांकि टोनी के इस रिकॉर्ड को अभी गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से वेरिफाई होना बाकी है, लेकिन उन्हें पूरा भरोसा है कि उनका नाम गिनीज़ बुक में जरुर चढ़ जाएगा।

दक्षिणी ध्रुव से निकला नया वायरस पूरी दुनिया में मचाएगा तबाही!

-ब्राज़ील के सैलोमे ने 2024 को लेकर की भविष्यवाणी

वाशिंगटन। इस साल दुनिया में क्या होने वाला है इसको लेकर ज्योतिष और भविष्यवक्ता नई नई भविष्यवाणी करते हैं। 2019 आई आपदा कोविड 19 की भविष्यवाणी के बाद लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। अब 2024 को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में स्वयं भू मनोचिकित्सक एथोस सैलोमे ने भविष्यवाणी की है कि एक नया घातक वायरस जल्द ही दुनिया को तबाह कर देगा। इस साल के अंत में दक्षिणी ध्रुव से निकला एक नया वायरस पूरी दुनिया में फैल जाएगा। जीवित नास्त्रेदमस' के रूप में पहचाने जाने वाले ब्राज़ील के 37

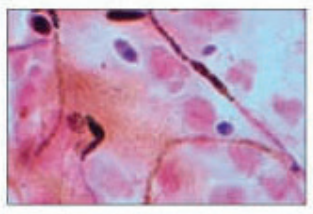

वर्षीय सैलोमे ने यूक्रेन पर आक्रमण और महारानी एलिजाबेथ की मृत्यु सहित, अन्य प्रमुख घटनाओं के साथ-साथ कोविड महामारी की भविष्यवाणी की है। सैलोमे का कहना है कि इस नए वायरस से लड़ने में उम्मीद से ज्यादा समय लगेगा और इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि बेहतर होगा कि आप अपना कोविड मास्क तैयार कर लें। सैलोमे का कहना है कि अगर इस नए वायरस को काबू में नहीं किया गया, तो पीड़ा, मानसिक और भौतिक क्षति से मौतें बहुत अधिक होने लगेंगी और यह वायरस इतिहास में सबसे खतरनाक विनाशक वायरस के रूप में जाना जाएगा। सैलोमे ने इस बारे में नहीं बताया कि वायरस किस कारण से उत्पन्न होगा या वैज्ञानिक इसका टीका बना पाएंगे। रहस्यमय भविष्यवक्ता का यह भी कहना है कि 2024 वह वर्ष होगा जब लोग आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस के जरिए कब्र में जा चुके अपने प्रियजनों से संवाद कर सकेंगे। उनके मुताबिक यह तकनीक सिर्फ एक वैज्ञानिक सफलता नहीं, बल्कि मानव यात्रा को समझने की दिशा में एक बड़ा कदम होगी। सैलोमे की भविष्यवाणी के मुताबिक यह साल अस्तित्व के रहस्यों को उजागर करने, आराम और हमारे जीवन मिशन की गहन समझ प्रदान करने का वादा करता है। वहीं अन्य भविष्यवाणियों में अमेरिका पर आक्रमण, एक बड़ा साइबर हमला और तीसरा विश्व युद्ध, एलियंस से मुलाकात और अमेरिका, अफ्रीका और मध्य पूर्व में व्यापक प्राकृतिक आपदाएं शामिल हैं। तो, ऐसा लगता है कि हम 2024 में बहुत सारी आपदाओं का सामना करेंगे इसके लिए हमें अभी से तैयारी शुरु कर देनी चाहिए।

ब्रिटेन में 12 भारतीय गिरफ्तार, अवैध तरीके से केक फैक्ट्री में नौकरी कर रहे थे, वीजा उल्लंघन के भी आरोप

लंदन । ब्रिटेन में 12 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला शामिल है। सभी गद्दे और केक की फैक्ट्री में अवैध तरीके से नौकरी कर रहे थे। इन पर वीजा शर्तों के उल्लंघन के आरोप भी हैं। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, इमिग्रेशन इन्फोर्समेंट अधिकारियों ने इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में गद्दे के कारोबार से जुड़ी एक यूनिट पर छापा मारा। अधिकारियों को खुफिया सूचना मिली थी कि यहां अवैध रूप से काम हो रहा है। बयान के मुताबिक, 7 भारतीयों को गद्दे बनाने वाली फैक्ट्री से गिरफ्तार किया गया। वहीं, 4 लोगों को पास की केक फैक्ट्री से पकड़ा गया। इन चारों पर वीजा उल्लंघन के आरोप हैं। इसके अलावा एक भारतीय महिला को भी इमिग्रेशन क्राइम के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पाक के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल 88 आतंकियों को मार गिराया

इस्लामाबाद । पाक के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल आतंकवाद संबंधी घटनाओं में 42 पुलिसकर्मी मारे गये हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रांत के पुलिस प्रमुख अख्तर हयात खान गंडापुर ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने इसी अवधि के दौरान विभिन्न अभियानों में 88 आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 से अब तक प्रांत में आतंक का मुकाबला करते हुए 42 पुलिसकर्मी मारे गए। उन्होंने कहा कि देश में हालिया आतंकवादी गतिविधियों के केंद्र रहे डेरा इस्माइल खान व लक्की मारवात और टैंक सहित दक्षिणी जिलों में कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है।

रुस में एक बाढ़ग्रस्त सड़के के पास से निकलता हुआ एक ट्रक। इसकी तस्वीरें एक ड्रोन के जरिये ली गयीं।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका अपनी भूमिका विचार करे : जापानी पीएम

वाशिंगटन (ईएमएस)। जापान के पीएम फुमियो किशिदा ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी संसद को संबोधित किया और उनसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तनाव और विदेशों में अमेरिका की भूमिका को लेकर गहराते संदेह के बीच वैश्विक प्रतिबद्धताओं के महत्व पर विचार करने का आग्रह किया। किशिदा इन दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात के लिए वाशिंगटन में हैं। उल्लेखनीय है कि व्हाइट हाउस ने क्वाड समूह के प्रत्येक देश की मेजबानी का कार्यक्रम पूरा कर लिया है। क्वाड में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं। क्वाड एक प्रकार की अनौपचारिक साझेदारी है जिसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। किशिदा ने अमेरिकी संसद भवन में सांसदों को संबोधित करते हुए वैश्विक सुरक्षा के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और आश्वासन दिया कि जापान क्वाड का एक शक्तिशाली भागीदार है।

पाकिस्तान पर हमला कर तालिबान ने लौटाई हिन्दू-सिखों की जमीन, भारत प्रतिक्रिया देने से खुद को रोक नहीं सका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अफगानिस्तान की मदद हर क्षेत्र में करता है। अफगानिस्तान के लोगों के लिए खाने के लिए अनाज, बीमारी में दवाएं और खेल के क्षेत्र में क्रिकेट में बड़ी मदद करता है। अब तालिबान की सरकार ने हिन्दू और सिखों पर बड़ा ऐलान कर भारत को खुश कर दिया है। अफगानिस्तान की सत्ता चला रही तालिबानी सरकार ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को ईद के अवसर पर बड़ा तोहफा दिया है। अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार ने पाकिस्तान के कई कबायली इलाकों पर न केवल कब्जा कर लिया। इसके साथ ही हिंदुओं और सिखों की जमीन वापस देनी शुरू कर दी है। तालिबान ने ईद के मौके पर हिंदुओं और सिखों से छीनी गई जमीन वापस लौटानी शुरू कर दी है। ये खबर सुनकर पाकिस्तान के होश फाख्ता हो गए हैं।

भारत को खुश करने के लिए तालिबान हिन्दुओं और सिखों को दोबारा अपने देश में बसाने जा रहा है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के इस कदम को लेकर भारत की तरफ से भी प्रतिक्रिया आ गई है। साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब इसको लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय से सवाल किया गया तो विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने जवाब देते हुए कहा कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यदि तालिबान प्रशासन ने अफगानिस्तान के हिंदुओं और सिखों को संपत्ति का अधिकार बहाल करने का फैसला किया है, तो यह एक सकारात्मक विकास है। आपको बता दें कि पाकिस्तान में दशकों तक चले अत्याचारों के बाद हजारों हिन्दू और सिख देश छोड़कर चले गए थे। उसके बाद जब अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना घुसी तो अमेरिका समर्थित सरकार से जुड़े कई लोगों और अफसरों ने हिन्दुओं की जमीन पर कब्जा कर लिया। लेकिन तालिबान की सरकार ने इन्हीं अफसरों के कब्जे से हिन्दुओं और सिखों की जमीन छुड़वानी शुरू कर दी है। तालिबान तेजी से अपनी छवि बदलने की कोशिश में लगा हुआ है। तालिबान हिन्दू और सिख परिवारों की वापसी की तैयारियां भी करवा रहा है। इन काम की निगरानी के लिए तालिबान की सरकार ने एक आयोग का गठन किया है।

कंगाल हो रहे पाकिस्तान में चाय से लेकर चिकन तक सब कुछ सातवें आसमान पर

वाशिंगटन (एजेंसी)। इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान की महंगाई लोगों का जीना मुहाल करने वाली है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भविष्यवाणी की है कि चालू वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान पाकिस्तान में क्षेत्र में सबसे ज्यादा महंगाई और सबसे कम आर्थिक विकास दर

होगी। एशियन डेवलपमेंट बैंक ने डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में इस वित्तीय वर्ष में पाकिस्तान में आर्थिक विकास दर 1.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, एडीबी ने यह भी अनुमान लगाया है कि इस वित्तीय वर्ष में पाकिस्तान में औसत महंगाई 25 फीसदी रहेगी।इसके अलावा रिपोर्ट में भारत के अलावा अन्य देशों की अर्थव्यवस्था पर ब्योरा दिया गया है। भारत में जहां चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर 4.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि बांग्लादेश में महंगाई दर 8.4 फीसदी और भूटान में महंगाई दर 4.5 फीसदी रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस वित्त वर्ष में मालदीव में महंगाई दर 3.2 प्रतिशत, नेपाल में 6.5 प्रतिशत और श्रीलंका में 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके अलावा इस वित्त वर्ष में श्रीलंका की आर्थिक विकास दर पाकिस्तान के बराबर यानी 1.9 फीसदी रहने की संभावना है। एडीबी ने कहा कि अगले साल पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर 2.8 प्रतिशत रहने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल पाकिस्तान में यदि राजनीतिक स्थिरता रही तो वहां महंगाई दर के कम होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता की वजह अर्थव्यवस्था का यह आलम है। यदि ऐसी ही स्थिति रहेगी तो पाकिस्तान में चाय से चिकन तक सबकुछ महंगा होने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में आर्थिक विकास दर 7 फीसदी, बांग्लादेश में आर्थिक विकास दर 6.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर इंडोनेशिया, मलेशिया और फिलीपींस से भी कम रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम भी से कम रहने की उम्मीद है।

पाकिस्तान में भुखमरी- दो जून की रोटी नहीं जुटा पाया तो पत्नी सहित 8 बच्चों को कुल्हाड़ी से काट डाला

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान में गरीबी और भुखमरी जग जाहिर है। लोग इतने ज्यादा त्रस्त हैं कि दो जून की रोटी जुटाना उनके लिए मुश्किल हो गया है। अब गुस्साए लोग अपने ही परिवार की हत्या करने पर उतारु हो रहे हैं। इसी तरह की भुखमरी से परेशान एक व्यक्ति ने अपने 7 बच्चों और बीवी पर कुल्हाड़ी चला दी। सभी की मौके पर ही मौत हो गई। कहा जा रहा है कि आरोपी शख्स ने आर्थिक परेशानियों और भोजन की कमी के चलते यह कदम उठाया है। खबरें आती रही हैं कि पाकिस्तान में दवा-भोजन जैसी बुनियादी चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की है। पुलिस ने जानकारी दी है कि आरोपी शख्स सज्जाद खोखर ने पत्नी के साथ 7 नाबालिग बच्चों को भी मौत के घाट उतार दिया है। खबर है कि आरोपी आर्थिक मुद्दों के चलते काफी परेशान रहता था और पत्नी से झगड़ा भी किया करता था। फिलहाल, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मरने वालों में खोखर की 42 वर्षीय पत्नी कौसर, चार बेटियां और तीन बेटों का नाम शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, खोखर ने कुल्हाड़ी से सभी को मार दिया।

41 राजनयिकों को वापस भेजने के बाद कनाडा ने भी घटाया भारतीय स्टाफ

ओटावा (एजेंसी)। भारत सरकार ने बीते साल कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेजने का आदेश दिया था। इसके बाद कनाडा ने कहा कि जब हमारे राजनयिकों की संख्या भारत में कम है तो फिर हमें उनके लिए तैनात स्टाफ में भी कटौती करनी पड़ेगी। राजनयिकों की संख्या भारत की ओर से कम करने के आदेश के बाद ही कनाडा ने मुंबई, चंडीगढ़ और बेंगलुरु में अपने कौंसुलेट्स को भी बंद कर दिया है।

स्टाफ में कटौती की पुष्टि करते हुए कनाडा उच्चायोग के एक अधिकारी ने बताया कि भले ही यह कठिन फैसला है, लेकिन हमारे राजनयिकों की ही संख्या कम होने के चलते ऐसा करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत में कनाडा के वीजा आवेदन केंद्र पहले की तरह ही चालू रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम भारत में अपने स्थानीय स्टाफ के आभारी हैं कि उन्होंने इतने अरसे तक पूरे समर्पण और गंभीरत के साथ सेवाएं दीं। भारत के साथ कूटनीतिक संबंधों में तनाव के बाद भी कनाडा ने कहा कि हम भारतीयों का स्वागत करते हैं। वे कनाडा में स्टडी, नौकरी या फिर स्थायी निवास के लिए आ सकते हैं, हम उनका स्वागत करेंगे। वहीं भारतीय सूत्रों का कहना है कि सरकार का उद्देश्य यह नहीं था कि कनाडा भारत में अपने कौंसुलेट्स को बंद करे। हमारा उद्देश्य था कि राजनयिकों की संख्या में समान रहनी चाहिए। कनाडा का स्टाफ भारत में तय सीमा से अधिक था, ऐसे में 41 लोगों को वापस भेजने का आदेश दिया गया। बता दें कि बीते साल कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हो गई थी। बाइक सवार अज्ञात बंदूकधारी उसे गोली मारकर फरार हो गए थे। अब तक इस मामले में कनाडा सरकार जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है। लेकिन कनाडा ने भारत पर इसका आरोप लगाया था।

41 राजनयिकों को वापस भेजने के बाद कनाडा ने भी घटाया भारतीय स्टाफ

ओटावा (एजेंसी)। भारत सरकार ने बीते साल कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेजने का आदेश दिया था। इसके बाद कनाडा ने कहा कि जब हमारे राजनयिकों की संख्या भारत में कम है तो फिर हमें उनके लिए तैनात स्टाफ में भी कटौती करनी पड़ेगी। राजनयिकों की संख्या भारत की ओर से कम करने के आदेश के बाद ही कनाडा ने मुंबई, चंडीगढ़ और बेंगलुरु में अपने कौंसुलेट्स को भी बंद कर दिया है।

स्टाफ में कटौती की पुष्टि करते हुए कनाडा उच्चायोग के एक अधिकारी ने बताया कि भले ही यह कठिन फैसला है, लेकिन हमारे राजनयिकों की ही संख्या कम होने के चलते ऐसा करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत में कनाडा के वीजा आवेदन केंद्र पहले की तरह ही चालू रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम भारत में अपने स्थानीय स्टाफ के आभारी हैं कि उन्होंने इतने अरसे तक पूरे समर्पण और गंभीरत के साथ सेवाएं दीं। भारत के साथ कूटनीतिक संबंधों में तनाव के बाद भी कनाडा ने कहा कि हम भारतीयों का स्वागत करते हैं। वे कनाडा में स्टडी, नौकरी या फिर स्थायी निवास के लिए आ सकते हैं, हम उनका स्वागत करेंगे।

वहीं भारतीय सूत्रों का कहना है कि सरकार का उद्देश्य यह नहीं था कि कनाडा भारत में अपने कौंसुलेट्स को बंद करे। हमारा उद्देश्य था कि राजनयिकों की संख्या में समान रहनी चाहिए। कनाडा का स्टाफ भारत में तय सीमा से अधिक था, ऐसे में 41 लोगों को वापस भेजने का आदेश दिया गया।

बता दें कि बीते साल कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हो गई थी। बाइक सवार अज्ञात बंदूकधारी उसे गोली मारकर फरार हो गए थे। अब तक इस मामले में कनाडा सरकार जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है। लेकिन कनाडा ने भारत पर इसका आरोप लगाया था। इसके बाद भारत-कनाडा के रिश्ते बिगड़ गए हैं। भारत ने भी आरोप लगाया था कि कनाडा के राजनयिक आंतरिक मामलों में दखल दे रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय कानून के स्वीकृत सिद्धांतों और मानदंडों के खिलाफ, ईरानी दूतावास पर अटैक को लेकर भारत का आया बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। ईरानी दूतावास पर इजरायली स्ट्राइक को लेकर विदेश मंत्राल. के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमने 1 अप्रैल 2024 को सीरिया में ईरानी राजनयिक परिसरों पर हुए हमले पर चिंता व्यक्त की है। भारत पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और आगे हिंसा और अस्थिरता को बढ़ावा देने की उनकी क्षमता से व्यथित है। हम सभी पक्षों से ऐसे कार्यों से बचने का आग्रह करते हैं जो अंतर्राष्ट्रीय कानून के आम तौर पर स्वीकृत सिद्धांतों और मानदंडों के खिलाफ जाते हैं।

इज़राइल ने दमिश्क में सोमवार के हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसने गाजा युद्ध और लेबनान, सीरिया, इराक और यमन में ईरान समर्थित समूहों से जुड़ी हिंसा के कारण पहले से ही मध्य पूर्व में तनाव बढ़ा दिया था। विस्फोटों के कारण इमारत मलबे के पहाड़ में तब्दील हो गई, जिससे आस-पास की इमारतों की खिड़कियाँ उड़ गईं और शहर के एक हरे-भरे और ऊंचे उपनगर में सड़क के किनारे खड़ी कारें जलकर खाक हो गईं।

म्यांमार में सुरक्षा स्थिति पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि म्यांमार में सुरक्षा स्थिति अनिश्चित और बिगड़ती हुई बनी हुई है। आपने विशेष रूप से राखीन राज्य और अन्य क्षेत्रों में चल रही लड़ाई के बारे में सुना है। कुछ समय पहले, हमने अपने नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी ताकि वे उचित सावधानी बरत सकें। उन भारतीयों के संबंध में जो म्यांमार की यात्रा कर रहे हैं, उन्हें उचित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए और अपना ख्याल रखना चाहिए जबकि दूतावास उनकी देखभाल के लिए वहां मौजूद है। हमने अपने कर्मचारियों को सिटवे वाणिज्य दूतावास से यांगून में स्थानांतरित कर दिया है।

एसी कवर बनाने की फैक्ट्री में लगी आग

कबाड़ से भड़की लपटें, कोई जनहानि नहीं; जपानी जोन और घिलौट इंडस्ट्रियल एरिया से पहुंचे फायर ब्रिगेड

राजस्थान की राजनीति

नीमराना। नीमराना के शाहजहांपुर इंडस्ट्रियल एरिया में एक प्लास्टिक फाइबर फैक्ट्री में आग गई। आग के बारे में शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे वहां श्रमिकों को पता चला। थोड़ी ही देर में आग ने काफी भीषण रूप ले लिया, जिसके बाद तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट को दी गई। इस घटना में किसी भी जन हानि की सूचना नहीं है। मौके पर नीमराना जापानी जोन का दमकल और घिलौट औद्योगिक क्षेत्र से दो दमकल फिलहाल आग बुझाने का प्रयास कर रही है। प्लास्टिक होने के चलते आग काफी तेजी से फैल रही है। 20 से 25 फीट ऊंची लपटें ऊपर ऊठ रही हैं। वहीं आसमान में काली धुएं का गुब्बारा दूर तक नजर आने लगा है। ऐसे में फायर ब्रिगेड की टीम को आग पर काबू पाने में मुश्किल हो रही है। मौके पर शाहजहांपुर पुलिस के हेड कांस्टेबल रामनिवास, कांस्टेबल राजेश सहित पुलिस जाप्ता मौजूद है। यह कंपनी एयर कंडीशनर के लिए प्लास्टिक फाइबर का कवर बनाती है। जहां आग लगी है, वहां फैक्ट्री का कबाड़ रखा हुआ था, जिस समय आग लगी मौके पर 5 ही श्रमिक फैक्ट्री में थे, आग लगते ही सभी बाहर आ गए। फिलहाल पुलिस का कहना है कि, पहले की तुलना में काफी आग पर कंट्रोल कर लिया गया। गनीमत रही कि ये आग केमिकल के ड्रम के पास नहीं पहुंची, वरना काफी बड़ा हादसा हो सकता था।

विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

4 दिन पहले पति के साथ हुआ था झगड़ा, पिता ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

राजस्थान की राजनीति

रामदेवरा। रामदेवरा में एक विवाहिता ने घर में फंदा लगा कर सुसाइड कर लिया। सूचना मिलने पर रामदेवरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोकरण हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। घटना रामदेवरा स्थित कुष्ठ कॉलोनी में गुरुवार 4 बजे की है।

4 दिन पहले पति पत्नी में हो गया था झगड़ा

सास बसंती ने बताया कि पिंकी (25) का चार दिन पहले अपने पति भगवान सिंह यादव उर्फ बाबू (20) के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। जिसके बाद से ही पिंकी परेशान रह रही थी। गुरुवार को पिंकी ने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसके बाद पिंकी कई देर तक नीचे नहीं आई तो उपर जाकर कमरे का दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। जिसके बाद दरवाजा तोड़ कर देखा तो पिंकी अंदर पंखे से लटकी हुई थी। घटना के बाद परिजनों ने रामदेवरा पुलिस को सूचना दी। जिस पर रामदेवरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोकरण हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। जहां पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को शव सुपुर्द किया जाएगा।

8 महीने पहले हुई थी तीसरी शादी, दो बार पहले भी कर चुकी है सुसाइड की कोशिश

सास बसंती ने बताया कि पिंकी की तीसरी शादी 8 महीने पहले बेटे बाबू से हुई थी। इससे पहले पिंकी की दो शादी हो चुकी थी। पहले पति ने पिंकी को छोड़ दिया था। उसके बाद इसको किसी और से प्यार हो गया था। उसके बाद उससे भी पिछले साल तलाक हो गया था। जिसके बाद पिंकी की बाबू से शादी हुई थी। वहीं पिंकी ने अपने पीहर में भी दो बार सुसाइड की कोशिश की थी। परसों इसकी मां से बात हुई थी तब उन्होंने मुझे ये सब बताया। कुछ दिन पहले पति पत्नी का रात को 11 बजे किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। उसके बाद पिंकी ने रसोई में चाकू उठा लिया और हमने जब चाकू छुड़ाया तब इसने कैंची ले ली। उसने कैंची अपने पेट में डालने की कोशिश की तब हम सब ने उससे कैंची को छुड़वाया। इस कारण मेरा हाथ भी कट गया था। हमने इसकी मां को कहा कि इसको ले के चल जाओ तो पिंकी की मां ने बोला की चार दिन में आ जाएंगे लेकिन वो आए नहीं। इसके परिजन आ जाते तो ये बच जाती। बता दें कि पिंकी का पीहर मध्यप्रदेश के उज्जैन में है। पिंकी और भगवान सिंह यादव की शादी 8 महीने पहले हुई थी। भगवान सिंह मजदूरी का काम करता है। घटना के समय भगवान सिंह मजदूरी पर गया हुआ था। घर पर उसकी सास और ननद व ननद का पति मौजूद थे। पिंकी के कोई संतान नहीं है। हैड कोंस्टेबल श्रीराम विश्नोई ने बताया कि महिला ने सुसाइड किया है अभी उसका शव पोस्टमॉर्टम के लिए पोकरण हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। मृतक के परिजन मध्यप्रदेश से आने के बाद पोस्टमॉर्टम कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिता ने लगाया हत्या का आरोप

पिंकी के पिता रतनलाल ने बताया कि मेरी बेटी को मारा गया है, 9 तारीख़ को मेरी बेटी पिंकी का फ़ोन आया था हमारे पास और उसने कहा था कि मुझे यहां से ले के जाओ, नहीं तो मेरी लाश ले कर जाओगे। ये मुझे यहां मारने की धमकी दे रहे है। मेरी पत्नी ने बेटी को समझाया की घर गृहस्थी में ऐसा होता रहता है। उसके बाद मेरे जवाई से हमारी बात हुई और उसने कहा था कि आप इसको समझाओ या मैं इसको समझाऊंगा।

एसएचओ शंकरलाल ने बताया कि सूचना मिली कि कुष्ठ कॉलोनी में एक महिला ने सुसाइड किया है। जिसके बाद सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि महिला का शव बिस्तर पर पड़ा था और गले में फंदा लगाया हुआ था। हमारे जाने से पहले पिंकी की बॉडी को उसके ससुराल वालों ने नीचे उतार दिया था। हमने शव को पोकरण हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। अब पिंकी के माता पिता जो रिपोर्ट देंगे उस पर कार्रवाई की जाएगी॥

गिरफ्तार 11 ट्रेनी एसआई को मिली जमानत

कोर्ट ने पहले जेल भेजने के ऑर्डर किए थे; बोले- एसओजी ने जबरन पैसों के लेन-देन लिखवाए

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में नकल कर पास करने वाले 11 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर और एक कॉन्स्टेबल को शुक्रवार को जयपुर एसओजी कोर्ट ने जमानत दे दी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पहले आरोपियों को जेल भेजने का ऑर्डर दिया था।

सुनवाई के दौरान ट्रेनी एसआई ने आरोप लगाया था कि एसओजी अफसरों ने उनकी पुरानी नोटबुक लाकर जबरन पैसों के लेन-देन के बारे में लिखवाया है। वहीं, जिनके पास पुरानी नोटबुक नहीं थी, उनसे खाली पेपर पर लिखवाया है।

इसके साथ ही एसओजी ने मामले में एक हैंडलर संजय कुमार को भी गिरफ्तार किया है। संजय कुमार को भी शुक्रवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड किया गया। एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया- एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में गुरुवार को चूरू के रहने वाले संजय कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी संजय कुमार पेपर लीक के मास्टरमाइंड यूनिक भांबू का हैंडलर है। एडीजी ने बताया- संजय कुमार का काम पेपर लीक के दौरान अपनी गाड़ी से अभ्यर्थियों को पेपर पहुंचाना और उसके बाद केंद्र पर पहुंचाने का काम था। इस दौरान वह ध्यान रखता था कि कोई अभ्यर्थी पेपर के बारे में किसी और से बातचीत नहीं करे।

आरोपी हैंडलर को रिमांड पर सौंपा

एसओजी सूत्रों की मानें तो पकड़े गए आरोपी संजय कुमार से पूछताछ में कई हैंडलर और पेपर लीक में वर्किंग को लेकर खुलासे होने की संभावना है। माना जा रहा है कि पेपर लीक प्रकरण में जल्दी अन्य गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

एसओजी ने जबरन पैसों का लेन-देन लिखवाया

वकील विपुल शर्मा ने बताया कि कोर्ट में ट्रेनी सब इंस्पेक्टर ने एसओजी पर उनकी पुरानी नोटबुक में नकल को लेकर दिए गए पैसों का विवरण लिखवाने का आरोप लगाया। एसओजी की ओर से उनके घर से पुरानी नोटबुक मंगवाई गई। इसमें पेपर के लिए किसको कितना पैसा और कब दिया गया यह जबरन लिखवाया गया है। जिनके पास नोटबुक नहीं मिली। उनसे सादे पेपर पर पैसों के लेन-देन को लेकर लिखवाया गया है।

कोर्ट से मिली ट्रेनी एसआई और कॉन्स्टेबल को जमानत

आरोपियों के वकील वेदांत शर्मा ने बताया- एसओजी की ओर से 11 ट्रेनी एसआई और कॉन्स्टेबल को बिना गिरफ्तार किए पूछताछ की गई थी। 24 घंटे बाद भी उनकी गिरफ्तारी नहीं दिखाने पर कोर्ट में एप्लिकेशन लगाई थी। इसे मंजूरी देते हुए कोर्ट की ओर से डिफॉल्ट बेल की मंजूरी दे दी गई।

ये है मामला

बता दें कि एसओजी की टीम 2 अप्रैल को सुबह करीब 9.30 राजस्थान पुलिस एकेडमी पहुंची थी। यहां तीन घंटे तक आरोपियों से पूछताछ की थी। इसके बाद 15 ट्रेनी एसआई को डिटेन कर एसओजी मुख्यालय लाया गया था। इसमें 2 महिला और 13 पुरुष सब इंस्पेक्टर शामिल थे। यहां पूछताछ के बाद 3 अप्रैल को 11 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके अलावा एसओजी ने जोधपुर कमिश्नरेट के सदर बाजार थाने में तैनात कॉन्स्टेबल अभिषेक बिश्नोई को भी गिरफ्तार किया था। अभिषेक बिश्नोई एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में पास हुआ था, लेकिन उसने जॉइन नहीं किया था।

संस्थान के निदेशक व कुल सचिव पर लगे गंभीर आरोप

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में कर्मचारियों का 9वें दिन भी विरोध जारी

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर अशैक्षणिक कर्मचारी संघ के समस्त सदस्यों का शुक्रवार को 9वें दिन भी विरोध-प्रदर्शन जारी रहा।अशैक्षणिक कर्मचारी संघ के सदस्यों ने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त संस्थान के निदेशक व कुल सचिव दोनों ही पिछले दिनों की भांति आज 12वें दिन भी संस्थान परिसर से नदारद रहे। उन्होंने कहा विश्वसनीय सूत्रों से पता लगा है कि कुल सचिव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

उन्होंने कहा कि लेकिन हमारे विरोध-प्रदर्शन के बावजूद अभी तक हठधर्मी प्रशासक के कानों में जूं तक नहीं रेंगी है। इस रवैये से ऐसा प्रतीत होता है कि प्रशासनिक अधिकारी संस्थान के छात्रों व कर्मचारियों के प्रति असंवेदनशील है। MNIT के इतिहास में इतने गैर जिम्मेदाराना

निदेशक इनसे पहले कभी नहीं आया। संघ अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह महासचिव जे पी सिंह ने प्रशासन को समय रहते कर्मचारियों की जायज मांगों को पूरा करने और भ्रष्टाचार को रोकने की चेतावनी देते हुए निर्णय लिया कि आने वाले दिनों में आंदोलन को और भी उग्र करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। संघ के पूर्व अध्यक्ष नंद लाल कुमावत ने संघ के सभी सदस्यों को पुरजोर तरीके से एक जुट रहने के लिए आह्वान किया।

राजस्थान में 1100 से ज्यादा अवैध हथियार पकड़ेः सात बम भी जब्त किए गए; 4 हजार से ज्यादा संदिग्ध व्यक्ति रडार पर

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव आचार संहिता लगने के साथ ही पुलिस समेत अन्य एजेंसियां सतर्क हो गई। इसका अंदाजा इसी बात ये लगाया जा सकता है कि चुनाव आचार संहिता लगने के बाद पूरे प्रदेशभर में 1185 अवैध हथियार अब तक अलग-अलग कार्रवाई में पकड़े जा चुके है। इन हथियारों के अलावा 7 आईईडी (बम) भी अलग से जब्त किए गए है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त प्रवीण गुप्ता ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद 16 मार्च से प्रदेश में राजस्थान पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए, ताकि चुनाव शांतिपूर्ण हो सके। इस निर्देश के बाद अलग-अलग एजेंसियों की टीमों ने अवैध हथियारों और उनमें लिप्त लोगों को पकड़ने के लिए काम शुरू किया।

गुप्ता ने बताया कि 16 मार्च से अब तक 1,185 अवैध हथियारों को पकड़ा है। इसके अलावा 2,303 कारतूस, 4,129 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ और 7 आईईडी (बम) जब्त किए हैं। इसके अलावा आचार संहिता लगने के साथ ही उन लोगों को भी अपने-अपने हथियार जमा करवाने के लिए कहा गया, जो सरकार से लाइसेंस लेकर अपने पास हथियार रखते है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 1,62,777 लाइसेंस जारी है, जिनमें से 1,55,373 लाइसेंसधारियों ने अपने-अपने हथियार संबंधित एरिया के पुलिस थानों में जमा करवाए हैं।

4 हजार से ज्यादा संदिग्ध लोग चिह्नित

सीईओ गुप्ता ने बताया कि चुनावों में किसी तरह की गड़बड़ी या उपद्रव या कोई घटना न हो इसके लिए पुलिस और दूसरी एजेंसियों ने बड़े स्तर पर इनपुट जुटाया है। पुलिस ने अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में कुल 1,400 बस्तियों को संवेदनशील आबादी और 4,322 व्यक्तियों को गड़बड़ी फैलाने वाले संदिग्ध लोगों के रूप में चिन्हित किया है। पुलिस अब इन पर वोटिंग के दौरान और उसके बाद सख्त निगरानी रखेगी।

कपड़ा फैक्ट्री में बॉयलर फटा, 2 की मौतः धमाके से एक मजदूर के चिथड़े उड़े, मलबे में मिले शरीर के अंग; एक की हालत गंभीर

राजस्थान की राजनीति

बालोतरा। कपड़ा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से दो लोगों की मौत गई और तीन गंभीर झुलस गए। हादसा इतना भीषण था कि बॉयलर के पास काम कर रहे एक मजदूर के चिथड़े उड़ गए। घटना बालोतरा के औद्योगिक क्षेत्र थर्ड फेज में महालक्ष्मी प्रोसेस हाउस में दोपहर 2 बजे हुई। थानाधिकारी ओमप्रकाश गोदारा ने बताया- दोपहर 2 बजे कपड़ा फैक्ट्री में मजदूर बॉयलर में प्रोसेस कर रहे थे। इस दौरान बॉयलर का तापमान बढ़ने पर वह अचानक फट गया। हादसा इतना भीषण था कि बॉयलर के पास काम कर रहे दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बुरी तरह झुलस गए। अस्पताल पहुंचे साथी मजदूरों ने बताया- हादसे में जवाहरलाल (21) निवासी बालोतरा, मेघाराम प्रजापत (52) निवासी गोल स्टेशन (बालोतरा) की मौत हो गई। वहीं

देवेंद्र (20), खेताराम (28), सवाई (23) का इलाज चल रहा है। धमाके से फैक्ट्री का एक हिस्सा धराशायी हो गया। धमाके की आवाज सुन वहां भीड़ जुट गए। अन्य मजदूर हादसे की चपेट में आए सभी मजदूरों को निजी वाहन से बालोतरा के नाहटा हॉस्पिटल ले जाया गया। धमाका इतना भीषण था कि मलबे में एक मजदूर के शरीर के अंग अलग-अलग हिस्सों में मिले। बालोतरा हॉस्पिटल में इलाज करा रहे घायल मजदूर खेताराम ने बताया। रोजाना की तरह आज भी हम मजदूरी करने फैक्ट्री पहुंचे थे। मैं महालक्ष्मी प्रोसेस हाउस में मजदूरी करता हूं। दोपहर 1 बजे के करीब बॉयलर शुरू किया था। 6 से 7 मजदूर बॉयलर के पास काम कर रहे थे। दोपहर 2 बजे के करीब एक धमाके के आवाज आई। मैं बॉयलर के जबरदस्त धमाके से उछलकर दूर गिरा।

बालोतरा हॉस्पिटल के डॉ. हरीश खत्री ने बताया- हादसे के बाद हॉस्पिटल प्रशासन एक्टिव हो गया था। जैसी ही घायल आए, उनका इलाज किया गया। इलाज के दौरान लाए गए घायल मजदूरों के शरीर पर ज्यादा चोट नहीं थी। उनका प्राथमिक उपचार कर सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया है। देवेंद्र की हालत गंभीर होने के कारण जोधपुर रेफर किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर बालोतरा एसडीएम राजेश कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे।

स्टूडेंट्स बोले- 500 का टिकट 5000 रुपए में बिक रहा

जयपुर में आईपीएल के टिकटों के लिए परेशान हुए छात्र, अधिकारी ने कहा- जांच करेंगे

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले के टिकटों को लेकर फिर विवाद हो गया है। फ्री पास और टिकटों की कालाबाजारी के बाद अब स्टूडेंट्स टिकट को लेकर विवाद हुआ है। स्टूडेंट्स का आरोप है कि 500 रुपए में मिलने वाला टिकट बाहर 5 हजार में बेचा जा रहा है। एनएसयूआई के छात्र नेताओं ने राजस्थान रॉयल्स और सरकार पर स्टूडेंट्स के टिकट बिक्री में घोटाले का आरोप लगाया है। छात्र नेताओं ने कहा- सिर्फ कागजों में ही स्टूडेंट्स को 500 रुपए में टिकट बेचे जा रहे हैं। जबकि असलियत में स्टूडेंट्स को घंटों लाइन में लगने के बाद कोई टिकट नहीं मिल रहा है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश भाटी ने कहा- राजस्थान की भाजपा सरकार के संरक्षण में राजस्थान रॉयल्स ने जमकर भ्रष्टाचार मचा रखा है। जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले के दौरान पार्किंग से लेकर खाने के काउंटर तक जमकर आम जनता से लूट की जा रही है। वहीं, स्टूडेंट्स को 500 रुपए में टिकट देने का जो वादा किया गया था। उसमें भी अब भ्रष्टाचार किया जा रहा है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन द्वारा पहले तो आम स्टूडेंट्स को टिकट नहीं बेचे जा रहे हैं। मुश्किल से जिन स्टूडेंट्स को टिकट दिया भी जा रहा है। उन्हें घंटों लाइन में परेशान होने के बाद मात्र एक टिकट दिया जाता है। जबकि राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने प्रत्येक स्टूडेंट को दो टिकट देने का वादा किया था।

जो टिकट बांटे गए, उसमें भी घोटाला किया

इसके साथ ही अब तक जिन स्टूडेंट्स को टिकट बांटे गए हैं। उनमें भी घोटाला किया गया है। बुक माई शो और राजस्थान रॉयल्स के प्रतिनिधि स्टूडेंट के नाम पर सस्ते टिकट रिकॉर्ड में चढ़कर महंगे दामों पर बेच रहे हैं। इसकी उच्च स्तर पर जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही 22 अप्रैल को आखिरी मैच में स्टूडेंट्स को रियायती दर पर टिकट उपलब्ध हो। इसको लेकर भी कोई ठोस रणनीति तैयार की जानी चाहिए। छात्रनेता अमरदीप परिहार ने कहा- स्टूडेंट के टिकट के नाम पर जमकर कालाबाजारी हो रही है। हमारे नाम पर राजस्थान रॉयल्स टिकट तो उठा रही है। लेकिन स्टूडेंट्स को नहीं दे रही है। 500 रुपए का टिकट बाजार में 5000 रुपए में बिक रहा है। जिसे रोकने के लिए अब शासन और प्रशासन को सख्त एक्शन लेना चाहिए। ताकि आम स्टूडेंट भी क्रिकेट का मैच देख सके।

जांच की जाएगी

राजस्थान रॉयल्स के वाइस प्रेसिडेंट राजीव खन्ना ने बताया- आम स्टूडेंट्स को 500 रुपए के टिकट देने की व्यवस्था बुक माई शो के माध्यम से ऑफलाइन मोड पर की गई है। स्टूडेंट टिकट काउंटर से अपना आईडी कार्ड दिखाकर दो टिकट खरीद सकते है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हो रहा है। तो इसकी जांच की जाएगी। बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में राजस्थान रॉयल्स टीम ने अब तक पांच मुकाबले खेले हैं। इनमें 4 मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित हुए हैं। इनमें 3 मैच राजस्थान टीम ने जीते हैं। जबकि एक मैच में गुजरात ने राजस्थान को करारी शिकस्त दी। वहीं जबकि एक मैच मुंबई में आयोजित हुआ था। इसमें राजस्थान ने जीत दर्ज की थी।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindustanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।